संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 316 शनिवार 20 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पाकिस्तान सोचता था हमलों से हम डर जाएंगे:रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

1965 जंग की डायमंड जुबली कार्यक्रम में पहुंचे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में 1965 की जंग के 60 साल पूरे होने पर एक खास कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ये कार्यक्रम भारतीय सेना ने आयोजित किया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को लगता था कि अचानक किए गए आतंकी हमलों से हम डर जाएंगे, वो ये नहीं जानते कि भारत का हर सैनिक देश की एकता और अखंडता से समझौता नहीं कर सकता। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ठान लिया था कि पाकिस्तान को सबक सिखाना है। हमने उन्हें ऐसा सबक सिखाने की ठानी जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते।

कार्यक्रम में उन्होंने उन बहादुर सैनिकों और शहीदों के परिवारों से मुलाकात की जिन्होंने 60 साल पहले पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में भारत को जीत दिलाई थी। कार्यक्रम में जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वेस्टर्न कमांड के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, दिल्ली एरिया के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल भावनीश कुमार साथ ही अन्य बड़े अधिकारी मौजूद थे।

अब्दुल हमीद की वीरता का जिक्र

रक्षा मंत्री ने कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद की बहादुरी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब्दुल हमीद ने आसल उत्तर की लड़ाई में अकेले ही पाकिस्तान के कई टैंकों को बर्बाद कर दिया था। रक्षा मंत्री ने कहा...हमारे बहादुर अब्दुल हमीद ने हमें सिखाया कि वीरता हथियार के आकार की बात नहीं है, बल्कि दिल बड़ा होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों को सबक सिखाने का फैसला किया था। उन्होंने कहा...पहलगाम में हुआ कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला आज भी हमें दर्द देता है। इसने हमें हिलाया लेकिन हमारे हौसले को तोड़ा नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने की ठानी जिसकी वे कभी कल्पना भी नहीं कर सकते थे। दिखा दिया कि हम कितने मजबूत हैं। वहीं, दिल्ली के एक कार्यक्रम में एयर चीफ मार्शल ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में सबसे अहम कारक राजनीतिक इच्छाशक्ति थी । उन्होंने स्पष्ट किया कि नेतृत्व ने वायुसेना को पूरी आजादी दी और किसी प्रकार की पाबंदी नहीं लगाई । वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यह ऑपरेशन तीनों सेवाओं-वायुसेना,थलसेना और नौसेना के बीच बेहतरीन तालमेल और एकता का परिणाम था ।

सैनिक और उनके परिवार की भलाई सरकार की प्राथमिकता : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने सैनिकों और उनके परिवारों के लिए सरकार के वादे दोहराए। उन्होंने कहा कि सेवा में लगे सैनिकों, रिटायर हो चुके सैनिकों और शहीदों के परिवारों की भलाई सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार फौज को आधुनिक हथियार दे रही है, सैनिकों को बेहतर ट्रेनिंग दे रही है और उनके उपकरणों को अपग्रेड कर रही है। इसका मकसद यह है कि हमारी फौज को कभी भी किसी चीज की कमी न हो।

मणिपुर में 6 उग्रवादी गिरफ्तार

भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

इंफाल,19 सितम्बर 2025 (ए)। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों के बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के चुराचांदपुर, तेंगनौपाल और चंदेल जिलों में व्यापक अभियान चलाया है। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य सैन्य उपकरणों का एक बड़ा जखीरा बरामद करने के साथ ही कुल 6 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए उग्रवादियों में केसीपी के चार, प्रीपाक (प्रो) के एक और सोरेपा के एक कैडर हैं।

मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले के एंड्रो पाकिंग से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कार्यकर्ता ताओरेम तोमचौ मैतेई उर्फ पेना (45) को गिरफ्तार किया है। इसी कड़ी में एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग थाना क्षेत्र से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के 03 सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडरों की पहचान लीशांगथेम टंडन सिंह (34) उर्फ जॉन, लीशांगथेम आनंद सिंह (34) और हेइखम हेमचंद्र सिंह (41) उर्फ बोइनाओके रूप में हुई है। उनके कब्जे से 2 एसएलआर राइफलें, 1 संशोधित .303 राइफल, 1 इंसास राइफल, 1 संशोधित .303 राइफल बाइपॉड सहित, 1 इंसास एलएमजी मैगज़ीन, 3 इंसास राइफल मैगज़ीन, 7.62 एसएलआर राइफल की 4 मैगज़ीन, 1.303 राइफल मैगज़ीन, 27.303 राइफल के कारतूस, 23 7.62 मिमी एसएलआर के कारतूस, 14 राउंड एके रायफल के कारतूस, 35 राउंड इंसास के कारतूस, 3 मोबाइल फोन और 3 आधार कार्ड की बरामदगी हुई है। इसी कड़ी में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के सक्रिय कार्यकर्ता इचाम खुनौ अवांग लेइकाई निवासी थोंगब्रम टिकेन मैतेई (40) को थौबल जिले के थौबल थाना क्षेत्र के उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। उसके पास से सिम कार्ड सहित एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। मणिपुर पुलिस ने सोरेपा के एक सक्रिय कार्यकर्ता समाराम मयाई लेइकाई निवासी खोइनैजम भूमेश्वर सिंह (24) को खोंगजोम थाना क्षेत्र के अंतर्गत उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया। उसके पास से बरामद सामानों में 1 9 मिमी ज़िंदा कारतूस, 2.32 ज़िंदा कारतूस, 1 डमी बंदूक, 1 पिस्तौल होलस्टर, 1 मोबाइल फ़ोन और 1 आधार कार्ड शामिल है।

पतंजलि-डाबर च्यवनप्राश विज्ञापन केस,बाबा रामदेव ने याचिका लगाई

दिल्ली हाईकोर्ट बोला...हर फालतू अपील की अनुमति नहीं देंगे,जरूरत पड़ी तो जुर्माना लगाएंगे

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पतंजलि-डाबर च्यवनप्राश विज्ञापन मामले में सुनवाई की। बाबा रामदेव ने इस विज्ञापन को चलाने पर रोक लगाने वाले सिंगल बेंच जज के आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सी हरिशंकर और जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला ने कहा- आपने बाकी सभी लोगों को यह कहकर बदनाम कर दिया कि वे नहीं जानते च्यवनप्राश क्या है, और कैसे बनता है। बेंच ने कहा- सिंगल जज ने एड को अपमानजनक माना। यह अंतरिम आदेश है। जरूरी नहीं हम भी इस पर विचार करें। हम हर फालतू अपील की अनुमति नहीं देंगे। जरूरत पड़ी तो जुर्माना लगाएंगे। जस्टिस हरिशंकर ने पतंजलि को फटकार लगाते हुए कहा- ऐसा नहीं है कि यह आदेश आपको नुकसान पहुंचाएगा। आपके पास बहुत पैसा है, इसलिए आप हर मामले में अपील दायर कर सकते हैं। पतंजलि के वकील ने कोर्ट से इस मामले पर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के साथ चर्चा करने के लिए समय मांगा, जिसके बाद अदालत ने अपील पर अगली सुनवाई 23 सितंबर के लिए लिस्ट कर दी है। इससे पहले 3 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट की सिंगल जज मिनी पुष्करणा ने पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी थी। डाबर ने याचिका लगाई गई थी कि बाबा रामदेव ग्राहकों को गुमराह कर रहे हैं।

चुनाव का चौकीदार जागता रहा चोरी देखता रहा : राहुल गांधी

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। राहुल गांधी ने 18 सितंबर को वोट चोरी के आरोप पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लगातार दूसरे दिन वोट चोरी और वोट हटाने के मामले पर चुनाव आयोग को घेरा। उन्होंने शुक्रवार को कहा, चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा, चोरों को बचाता रहा। राहुल ने एक्स पर वीडियो क्लिप शेयर की। कैप्शन में लिखा- सुबह 4 बजे उठो, 36 सेकेंड में 2 वोटर मिटाओ, फिर सो जाओ- ऐसे भी हुई वोट चोरी! इससे पहले उन्होंने गुरुवार को इस मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त वोट चोरी और वोट डिलीट करा रहे हैं। आरोपों के समर्थन में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र के उन वोटरों को भी पेश किया, जिनके नाम हटाने की कोशिश की गई थी।

चुनाव आयोग ने 474 गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण समाप्त किया

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। चुनाव आयोग ने गैर-मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों पर कार्रवाई करते हुए 474 का पंजीकरण समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही पिछले दो महीनों में आयोग 808 ऐसे दलों पर कार्रवाई कर चुका है। आयोग ने 9 अगस्त को 334 दलों की मान्यता खत्म की थी। राजनीतिक दल जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत पंजीकृत होते हैं। इससे पार्टी और उससे जुड़े लोगों को कुछ विशेषाधिकार और लाभ मिलते हैं। हालांकि लगातार छह सालों तक चुनाव नहीं लड़ने की स्थिति में इन पार्टियों का पंजीकरण समाप्त किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश में बिजली गिरने से 7 की मौत,मकान जला

हिमाचल में बादल फटा-लैंडस्लाइड,उत्तराखंड में 16 घंटे बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। जौनपुर में 3, कौशांबी में 2 और हमीरपुर-चंदौली में 1-1 की जान गई है। प्रतापगढ़ के गोविंदपुर गांव में बिजली गिरने से एक घर में आग लग गई, हालांकि काबू पा लिया गया है। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदनगर में 18 सितंबर की रात बादल फटा था। इसके बाद से 14 लोग लापता थे। कुछ लोग मलबे में दब गए थे। घटना के 16 घंटे बाद एक शख्स को मलबे से जिंदा रेस्क्यू किया गया। यहां पर 200 लोग प्रभावित हुए हैं। 35 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हैं। नंदानगर के कुंतरी लगा फाली, सैंती और धुर्मा में गुरूवार की तड़के तीन बजे आसमान से बरसी आफत के साथ आए मलबे में दबकर दस लोग लापता हो गए थे। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ,डीडीआरएफ तथा स्थानीय लोगों ने कड़ी मेहनत कर सात लोगों शव के बरामद कर लिए है। इसी मलबे से एक व्यक्ति जीवित निकला है। इस व्यक्ति की पहचान कुंवर सिंह के रूप में हुई है। बरामद सात शवों में कुंवर सिंह की पत्नी कांता देवी और दो पुत्र विकास और विशाल शामिल हैं। अन्य लापता जिन चार लोगों के शव बरामद हुए है। उनमें नरेन्द्र सिंह, जगदम्बा प्रसाद और उनकी पत्नी भागा देवी, देवेश्वरी देवी शामिल हैं। सरपाणी के कुंवर सिंह को मलबे से जीवित निकालने के बाद इलाज के लिए हायर सेंटर भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार धुर्मा के गुमान सिंह और ममता देवी अभी भी लापता हैं। जिनकी खोजबीन जारी है। देहरादून-मसूरी रोड अभी भी क्षतिग्रस्त है। मसूरी में मौजूद 2 हजार के करीब टूरिस्ट्स सेफ हैं। इधर, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में रिहंद बांध इस साल पांचवीं बार ओवरफ्लो हुआ। कौशांबी में बिजली गिरने से 2 महिलाओं की मौत हुई। इधर, शिमला की लाइफ लाइन कहे जाने वाली सर्कुलर रोड बंद है। एडवर्ड स्कूल की आज और कल की छुट्टी की गई है। कुमारसैन की करेवथी में भी तीन मंजिला मकान धंसा गया।

राज्य में बाढ़-बारिश से अब तक 424 लोगों की मौत हो चुकी है। उत्तराखंड के चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र में दैवीय आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य के दूसरे दिन एक चमत्कारिक घटना सामने आई।

मलबे में दबा एक व्यक्ति लगभग 16 घंटे बाद जीवित निकला,लेकिन उसकी पत्नी और उसके दो बेटों के शव मिले हैं। यहां लापता दस लोगों में अब तक सात लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। अभी लापता दो लोगों की खोज के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

जेल से बाहर आएगा आसाराम का बेटा,हाईकोर्ट से राहत मिली

अहमदाबाद,19 सितम्बर 2025 (ए)। रेप के मामले में सजा काट रहे आसाराम के बेटे नारायण साई को गुजरात हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। नारायण को अपनी 82 वर्षीय बीमार मां के इलाज के लिए पांच दिन की अंतरिम जमानत मिली है।

नारायण ने बीमार मां के इलाज के लिए 45 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। उनकी अंतरिम जमानत अर्जी पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने उसे शर्तों के साथ पांच दिनों की अंतरिम जमानत दे दी है। जमानत के दौरान नारायण साई अहमदाबाद में अपनी मां के घर पर रह सकेगा। लेकिन वह अपने अनुयायियों से नहीं मिल सकेगा. नारायण साई के वकील ने दलील दी कि पहले उसके बीमार पिता आसाराम से मिलने के लिए पांच दिनों की अंतरिम जमानत दी गई थी। अब उसे अपनी बीमार मां से मिलने के लिए 45 दिनों की जमानत दी जाए, जिन्हें दिल का दौरा पड़ा है। हालांकि, हाईकोर्ट ने उसे 45 दिनों की जमानत देने से इनकार कर दिया था और शर्तों के साथ 5 दिनों की जमानत दी है. जेल से रिहा होने के समय से ही जमानत पर विचार किया जाएगा। जमानत के दौरान वह केवल अपनी मां के घर पर ही रह सकेगा कहीं और नहीं। सूरत की लाजपोर जेल से रिहा होने के बाद वह अहमदाबाद में अपनी मां के घर आएगा। हालांकि, उसे कड़ी पुलिस हिरासत में रखा जाएगा ताकि वह जमानत की शर्तों का उल्लंघन न करे। नारायण साई इस समय सूरत की लाजपोर जेल में बंद है।

पाकिस्तान में मुझे घर जैसा लगा : सैम पित्रोदा

नेपाल-बांग्लादेश में भी विदेश जैसा नहीं लगता,भारत पड़ोसी देशों से संबंध मजबूत करे

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने फिर विवादास्पद बयान दिया है। शुक्रवार को एक इंटरव्यू में पित्रोदा ने कहा- मैं पाकिस्तान गया। मुझे वहां घर जैसा महसूस हुआ। उन्होंने नेपाल से लेकर बांग्लादेश तक की तारीफ की है। कहा- मैं बांग्लादेश गया, नेपाल गया, मुझे वहां भी घर जैसा महसूस होता है। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं विदेशी धरती पर हूं। वे मेरे जैसे दिखते हैं, मेरे जैसे ही बात करते हैं, उन्हें हमारे गाने पसंद हैं, हम सबका खाना एक जैसा है। हमें उनके साथ शांति और सौहार्द के साथ जीना सीखना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से कहा कि अपने पड़ोसियों के साथ बातचीत को प्राथमिकता दी जाए। पित्रोदा ने कहा कि भारत की विदेश नीति की शुरुआत पाकिस्तान समेत पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को मजबूत करने से होनी चाहिए। उन्होंने भारत से अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल के साथ मज़बूत संबंधों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। अपने निजी अनुभव साझा करते हुए, पित्रोदा ने कहा कि मैं पाकिस्तान गया हूँ और आपको बता दूँ कि मुझे वहाँ घर जैसा महसूस हुआ। मैं बांग्लादेश गया हूँ, मैं नेपाल गया हूँ और मुझे वहाँ घर जैसा महसूस होता है। उन्होंने समान जीन पूल और सांस्कृतिक समानताओं को घनिष्ठ संबंधों का आधार बताया, साथ ही आतंकवाद और हिंसा जैसी चुनौतियों को भी स्वीकार किया।

प्रियंका गांधी ने किया वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान का आह्वान,बोलीं- लोकतंत्र बचाने एकजुट हों

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को देश भर के नागरिकों से पार्टी के वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान में शामिल होने का आग्रह किया, जिसका उद्देश्य एक व्यक्ति, एक वोट के लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा करना है। कांग्रेस नेता ने प्रत्येक व्यक्ति के मतदान के अधिकार की रक्षा और भारतीय लोकतंत्र की नींव रखने वाले संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, वायनाड से सांसद ने कहा कि प्रत्येक हस्ताक्षर उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि प्रत्येक वोट। हमारे साथ जुड़ें और एक व्यक्ति, एक वोट के हमारे लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा के लिए अपना समर्थन दिखाएं। हम प्रत्येक व्यक्ति के मतदान के अधिकार और हमारे प्रिय संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं, जो हमें एक जीवंत लोकतंत्र बनाते हैं। उन्होंने एक वीडियो संदेश भी पोस्ट किया जिसमें जनता से इस अभियान का समर्थन करने की अपील की गई। उन्होंने कहा, मैं आप सभी से हमारे वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान में शामिल होने का आग्रह करती हूँ। जिस तरह हर वोट मायने रखता है, हर हस्ताक्षर मायने रखता है, उसी तरह लोकतंत्र के लिए, उन संवैधानिक मूल्यों के लिए, जिनके लिए हम लड़ रहे हैं, हमारे संविधान के लिए आपकी हर आवाज़ मायने रखती है। यह अपील कांग्रेस सांसद द्वारा भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की आलोचना करने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि आयोग चुनावी प्रक्रिया को नष्ट करने और भारतीय लोकतंत्र को कमज़ोर करने के लिए सांठगांठ कर रहा है। उनका यह बयान कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नए आरोपों के बाद आया है।

ललित मोदी का भाई समीर मोदी रेप केस में गिरफ्तार

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025 (ए)। दिल्ली पुलिस ने इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी के भाई और बिजनेसमैन समीर मोदी को गुरुवार शाम दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। समीर मोदी पर एक महिला ने साल 2019 से लगातार रेप, ब्लैकमेलिंग और धोखा देने का आरोप लगाया है। महिला ने 10 सितंबर को दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद बिजनेसमैन के खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर जारी किया गया था। यूरोप की बिजनेस ट्रिप से लौटने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। दिल्ली की एक अदालत ने समीर को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। साकेत कोर्ट ने समीर मोदी को 2 दिन की और पुलिस रिमांड पर भेजा दिया है। इस बीच, समीर के वकील ने दावा किया कि बिजनेसमैन के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। एडवोकेट सिमरन सिंह ने एक बयान में कहा- एफआईआर झूठी और मनगढ़ंत फैक्ट्स पर आधारित है। समीर मोदी से पैसे ऐंठने के लिए केस दर्ज कराया गया है। महिला का आरोप- रेप का खुलासा करने पर हत्या की धमकी दी पुलिस के मुताबिक, महिला का आरोप है कि बिजनेसमैन ने फैशन और लाइफस्टाइल इंडस्ट्री में करियर का मौका देने के बहाने 2019 में उससे संपर्क किया था। समीर ने दिसंबर 2019 में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित अपने आवास पर उसे बुलाया और जबरदस्ती की।

बॉम्बे हाई कोर्ट में फिर बम रखे जाने की मिली धमकी से सनसनी

मुंबई,19 सितम्बर 2025 (ए)। मुंबई उच्च न्यायालय में शुक्रवार को सुबह फिर से बम रखे जाने की धमकी मिलने से परिसर में सनसनी फैल गई। हालांकि धमकी की सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस बम निरोधक दस्ते सहित मुंबई उच्च न्यायालय परिसर में पहुंची और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। लेकिन कहीं भी कुछ भी संदिग्ध नही मिला। इससे पुलिस दल ने राहत की सांस ली। इस धमकी के बाद मुंबई उच्च न्यायालय परिसर में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

20 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/20/2025 1:24 AM Page 2

संपादकीय

फेडरल रिजर्व ने घटाई ब्याज दरें

ट्रंप के दबाव और वैश्विक बाजारों पर नजर

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर पूरी दुनिया के वित्तीय बाजारों की नजरें टिकी रहती हैं। मगर इस बार उनकी दिलचस्पी कुछ ज्यादा ही थी। फेडरल रिजर्व ने बुधवार को नीतिगत ब्याज दर 25 आधार अंक घटाकर 4.0-4.25 फीसदी के दायरे में कर दी है। पहले यह 4.25 से 4.50 फीसदी के दायरे में थी। वित्तीय बाजार ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद लगाए बैठा था। मगर एफओएमसी ने नीतिगत दर घटाने के निर्णय पर जिस तरह मतदान किया और भविष्य के लिए जो इशारे किए उनमें सभी की काफी दिलचस्पी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस में आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान भी मंगलवार को शुरू हुई एफओएमसी की बैठक में शामिल थे। सोमवार रात अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में मिरान को फेडरल रिजर्व बोर्ड में भेजने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई थी। मिरान फिलहाल व्हाइट हाउस से अवकाश पर हैं और केंद्रीय बैंक में कार्यकाल खत्म होने पर दोबारा अपने पुराने पद पर लौट सकते हैं। जैसा कि अनुमान जताए जा रहे थे, मिरान ने एफओएमसी बैठक में बहुमत का साथ नहीं दिया क्योंकि वह नीतिगत दर में 50 आधार अंक की कटौती के पक्ष में थे।

जो भी हो, मिरान की उपस्थिति फिलहाल फेडरल रिजर्व के लिए एकमात्र असमान्य बात नहीं है। वास्तव में फेडरल रिजर्व में उन्हें भेजा जाना एक बड़ी योजना का हिस्सा है। ब्याज दरें तेजी से नहीं घटाने के लिए फेडरल रिजर्व और इसके अध्यक्ष जेरोम पॉवेल लगातार अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे हैं। ट्रंप ने केंद्रीय बैंक की एक गवर्नर लिसा कुक को भी हटाने की कोशिश की थी मगर न्यायालय ने उन्हें अपने पद पर बने रहने और एफओएमसी की बैठक में शामिल होने की अनुमति दे दी। ट्रंप फेडरल रिजर्व की कार्य प्रणाली पर अधिक से अधिक नियंत्रण रखना चाहते हैं। बाजार में मध्यम अवधि में काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि ट्रंप की यह योजना क्या रंग दिखाती है। एक स्वतंत्र केंद्रीय बैंक लंबे समय से अमेरिकी वित्तीय प्रणाली का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा रहा है। अमेरिकी वित्तीय तंत्र का वैश्विक वित्तीय बाजारों एवं पूंजीगत प्रवाह पर दूरगामी असर होता है। फेडरल रिजर्व या अमेरिकी बाजारों पर विश्वास डिगने से पूरी दुनिया के वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मच सकती है और इसके दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। निकट अवधि में होने वाली संभावित बातों का जिक्र करें तो फेडरल रिजर्व द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार वह इस साल होने वाली दो और बैठकों में ब्याज दर में 25-25 आधार अंक की कमी कर सकता है। इसके बाद अगले वर्ष ब्याज दर में एक और कटौती हो सकती है। अमेरिकी श्रम बाजारों में दिख रही कमजोरी नीतिगत दर में कमी की एक बड़ी वजह रही है। मुद्रास्फीति को लेकर अनुमानों की जहां तक बात है तो जून की तुलना में 2026 के लिए इसे 20 आधार अंक बढ़ाकर 2.6 फीसदी कर दिया गया है। यह फेडरल रिजर्व के मध्यम अवधि के 2 फीसदी लक्ष्य से काफी अधिक है।

फिलहाल यह देखना बाकी है कि विभिन्न देशों से आयात पर शुल्क लगाने का अमेरिका में मुद्रास्फीति पर क्या असर दिखता है। मुद्रास्फीति ऊंचे स्तरों पर बनी रही तो आने वाली तिमाहियों में यह फेडरल रिजर्व के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। हालांकि, फिलहाल वित्तीय हालात आसान रहने चाहिए। उदाहरण के लिए इस महीने 10 वर्ष की अवधि के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में 20 आधार से ज्यादा कमी आ गई है। वैश्विक स्तर पर वित्तीय हालात तुलनात्मक रूप से सहज रहने से भारत में निवेश बढ़ना चाहिए मगर आने वाली तिमाहियों में पूंजी की आमद भारत और अमेरिका के बीच व्यापार पर चल रही वार्ता पर भी काफी हद तक निर्भर रहेगी।

युद्ध-आतंक के दौर में शांति के लिये भारत की पुकार

आज विज्ञान और तकनीक ने मानव को अभूतपूर्व शक्ति और संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भय, हिंसा, तनाव और असुरक्षा भी बढ़ी है। परमाणु हथियारों की दौड़ ने धरती को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। आर्थिक असमानताएँ और संसाधनों की होड़ युद्धों और संघर्षों को जन्म दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट नए विवादों एवं संकटों को जन्म दे रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं,बल्कि एक चेतावनी और आह्वान है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हिंसा और युद्ध की संस्कृति से ऊपर उठकर शांति,संवाद और सहयोग की संस्कृति को स्थापित कर सकते हैं, क्या हम धर्म, जाति और राजनीति की संकीर्णताओं से निकलकर एक वैश्विक परिवार के रूप में जी सकते हैं, क्या हम शिक्षा, करुणा और अहिंसा को अपने जीवन और समाज का आधार बना सकते हैं।

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस,जिसे प्रतिवर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है, आज के समय की सबसे बड़ी मानवीय आवश्यकता की याद दिलाता है। जब पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंकवाद,जलवायु संकट और असमानताओं के दौर से गुजर रही हो, तब शांति का महत्व केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार बन जाता है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानव सभ्यता को केवल विनाश ही दिया है। दो विश्वयुद्धों में करोड़ों लोगों की जान गई, असंख्य परिवार उजड़ गए और सभ्यता के सपनों पर गहरी चोट लगी। आज भी यूक्रेन से लेकर सीरिया, अफगानिस्तान और अफ्रीका तक की धरती पर संघर्ष और आतंकवाद की आग धधक रही है। निर्दोष नागरिक, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ा झेल रहे हैं। शरणार्थियों की भीड़, विस्थापितों के आँसू और टूटे हुए घर-परिवार इस बात का सबूत हैं कि युद्ध और आतंकवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि और बड़ी समस्या पैदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना ही इसी उद्देश्य से हुई थी कि विश्व में शांति और सहयोग कायम हो। इसी क्रम में 1981 में महासभा ने 21 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस घोषित किया, ताकि पूरी दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि युद्धविराम, संवाद और अहिंसा ही मानव सभ्यता की रक्षा कर सकते हैं। इस दिन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शांति की घंटी बजाई जाती है, जो यह प्रतीक है कि जब तक धरती पर शांति नहीं होगी, तब तक जीवन सुरक्षित नहीं हो सकता। विश्व शांति की दिशा में भारत का योगदान हमेशा से उल्लेखनीय रहा है और वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार वसुधैव कुटुंबकम् और एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का संदेश देकर मानवता को एक साझा परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी है। संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर मोदी ने संवाद, कूटनीति, अहिंसा और सहअस्तित्व को संघर्ष और युद्ध से बेहतर विकल्प बताया है। भारत के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान शांति और सतत विकास के एजेंडे को प्राथमिकता दी गई। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग, योग को विश्व स्तर पर शांति और मानसिक संतुलन का साधन बनाना, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन दुनियाभर विश्व अहिंसा दिवस मनाने जैसे प्रयास भी विश्व शांति को दीर्घकालिक आधार प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह मानना है कि शांति केवल संघर्षों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सहयोग की उपस्थिति है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व को न केवल आर्थिक और राजनीतिक सहयोग दे रहा है, बल्कि नैतिकता, अहिंसा, योग और सांस्कृतिक रूप से भी शांति की राह दिखा रहा है। महात्मा गांधी ने कहा था-शांति का कोई रास्ता नहीं, शांति ही रास्ता है। गांधी का यह विचार आज और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। नेल्सन मंडेला ने भी कहा था-शांति का निर्माण हथियारों से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और मेल-जोल से होता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस बार-बार यह चेतावनी देते रहे हैं कि दुनिया को हथियारों की नहीं, बल्कि कूटनीति और संवाद की आवश्यकता है। शांति केवल एक आदर्श नहीं, यह सभी के जीवन और विकास का अधिकार है। महात्मा गांधी ने जिस अहिंसा और सत्याग्रह का मार्ग दिखाया, वह आज भी वैश्विक शांति की सबसे बड़ी आशा है। स्वामी विवेकानंद ने भी विश्व धर्म महासभा में यह संदेश दिया था कि समस्त धर्म मानवता को जोड़ने के लिए हैं, बाँटने के लिए नहीं। आज संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में भारत की भूमिका सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण है, भारतीय सैनिक और अधिकारी अनेक देशों में जाकर शांति स्थापना के मिशनों में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। भारत ने न केवल सिद्धांतों से बल्कि व्यवहार में भी यह दिखाया है कि शांति उसका मूल आदर्श है। इन विचारों और योगदानों की गूंज आज के समय में हमें सचेत करती है। अगर मानवता को बचाना है तो युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को छोड़कर केवल शांति को अपनाना होगा। जब व्यक्ति, समाज और राष्ट्र स्तर पर शांति की चेतना जागेगी तभी सभ्यता का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम सहअस्तित्व, करुणा और संवाद की राह पर चलें और पूरी दुनिया को भय और हिंसा से मुक्त करके एक शांति और समरसता से भरा वैश्विक परिवार बनाएं। संघर्ष की अग्रिम पंक्तियों पर तैनात शांति सैनिकों से लेकर समुदाय के सदस्यों और दुनिया भर के कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों तक, हर किसी की शांतिपूर्ण विश्व संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें हिंसा, नफ़रत, भेदभाव और असमानता के खिलाफ़ आवाज़ उठानी होगी; सह-अस्तित्व का अभ्यास करना होगा; और अपनी दुनिया की विविधता को अपनाना होगा। शांति-स्थापना की कार्रवाई करने के कई तरीके हैं। समझदारी, अहिंसा और निरस्त्रीकरण की तत्काल आवश्यकता के बारे में बातचीत शुरू करें। अपने समुदाय में स्वयंसेवा करें, अपनी आवाज़ से अलग आवाज़ों को सुनें, अपने कार्यस्थल पर भेदभावपूर्ण भाषा एवं व्यवहार को चुनौती दें, ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों तरह से अशांति फैलाने वालों की रिपोर्ट करें, और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले तथ्यों की पुष्टि ज़रूर करें। आप अपनी पसंद के बारे में भी बता सकते हैं, सामाजिक रूप से जागरूक ब्रांडों से सामान खरीदने का विकल्प चुन सकते हैं, या स्थिरता और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने वाले संगठनों को दान दे सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकारों को आगे बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से लड़ने, तथा संघर्ष को रोकने और उसका जवाब देने के लिए वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करता है। वह शांति निर्माण आयोग के माध्यम से,जो 2025 में अपनी बीसवीं वर्षगांठ मना रहा है, गरीबी, असमानता, भेदभाव और अन्याय- हिंसा के सभी संभावित कारणों को दूर करने के लिए कार्य करता है। अपने 17 सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से , संयुक्त राष्ट्र समृद्धि बढ़ाने, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को बेहतर बनाने, और सभी प्रकार के भेदभाव और अन्याय को समाप्त करने के देशों के प्रयासों का समर्थन करता है। संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिक दुनिया भर में कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं और सभी को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करते हैं। तथा हाल ही में अपनाए गए भविष्य के लिए समझौते में, संयुक्त राष्ट्र ने उभरती चुनौतियों और अवसरों-जैसे कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का समाधान करने तथा भावी पीढ़ियों की सक्रिय भागीदारी का समर्थन करने का वादा किया है। संयुक्त राष्ट्र के एक्टनाउ अभियान ने दुनिया भर के लाखों लोगों को उन मुद्दों को चुनने, उन पर कार्रवाई करने और उनके प्रभाव को ट्रैक करने में मदद की है जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं।

वेद उपनिषद ज्ञान और सन्मार्ग के बड़े स्रोत जीवन के परिष्करण का मार्ग धर्मग्रंथ

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

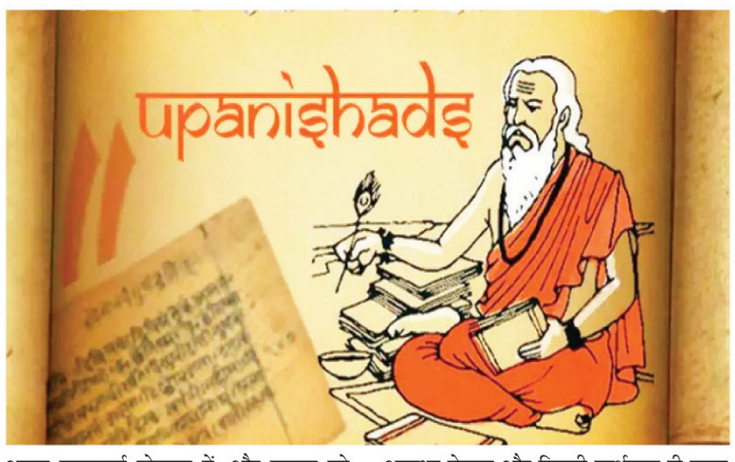

भारतीय ऋग्वेद अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति ऊर्जा और अर्थ छुपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है। यह अलग बात है कि कुछ देशों के प्रशासको द्वारा अपनी सनक एवं विस्तार वादी मानसिकता के कारण यूक्रेन में युद्ध की स्थिति बन कर पूरे विश्व में वैश्विक युद्ध की संभावनाएं बन गई हैं। इसका हल मी भारतीय संस्कृति सनातन ग्रंथों और संस्कारों में छुपा हुआ है उसे बस आद्योपांत अपनाने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयाई हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। सफलता उनके लिए मिथ्या के बराबर ही थी गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब,

टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक शांति की खोज संदर्भ में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है। व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति,बच्चों का भरण पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन समाजिक मूलभूत आवश्यकता है। पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो। इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान,दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था।

यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्ति बैठ जाता है और शांत हो जाता,तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन,मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास में ही सफलता का परचम फैलाया है। पर इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करती रहे है।

पर दूसरी तरफ यह भी सत्य है कि जीवन में सार्थकता की खोज सफलता के अभाव में संभव नहीं है। क्योंकि श्रम और सार्थकता का महत्व तभी तक है जब तक वह सफल ना हो,परंतु सफलता ही मनुष्य की अंतिम परिणति नहीं होनी चाहिए। अन्यथा जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व नगण्य में होने की संभावना बनी रहती है। अतः श्रम मेहनत और सार्थकता समेकित रूप से मिलकर एक बड़ी सफलता को जन्म देते हैं।

श्रम तथा सार्थकता तभी प्राप्त होती है, जब सफलता का आधार प्राप्त हो जाए। पर मूलत सफल होना ही पर्याप्त नहीं है। और जीवन की असली खोज निरंतर श्रम तथा सार्थकता है। केवल सफलता आपको अस्थाई तथा तत्कालिक मानसिक शारीरिक सुख प्रदान कर सकती है। पर चिरस्थाई तथा आत्मिक संतोष के लिए उसमें श्रम तथा सार्थकता का समावेश होना अत्यंत आवश्यक होता है। अगर वह समाज के लिए एक आदर्श तथा उपयोगी मार्गदर्शक बन सकता है। इसलिए जीवन में केवल सफलता के पीछे ना जाकर श्रम, मेहनत और सार्थकता अत्यंत आवश्यक पहलू हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी का सफ़र,भारत की राजनीति का स्वर्णिम अध्याय

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह

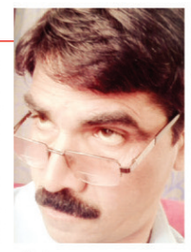

प्रधानमंत्री मोदी जी का राजनीतिक सफ़र भारतीय राजनीति का एक ऐसा उत्कर्षपूर्ण अध्याय है जिसे आने वाली पीढ़ियाँ लंबे समय तक स्मरण करेंगी। यह केवल सत्ता का सफ़र नहीं बल्कि एक ऐसे नेता की गाथा है जिसने साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर भारतीय राजनीति और जनमानस पर गहरी छाप छोड़ी। आज जब वह प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा देकर संभवतः राजनीतिक संन्यास की ओर बढ़ रहे हैं, या भविष्य में उनकी अपनी पार्टी के लिए क्या भूमिक रहेगी ये विषय भविष्य के गर्भ ने छुपा हुआ विशिष्ट प्रश्न जो बहुत महत्वपूर्ण है,पूरा देश एक ऐसे व्यक्तित्व को देख रहा है जिसने 21वीं सदी के भारत की दिशा और दशा दोनों बदल डाली। प्रधानमंत्री मोदी जी का जन्म गुजरात के वडनगर में एक साधारण परिवार में हुआ। बाल्यकाल से ही उन्होंने कठिन परिस्थितियों में जीवन जिया और संघर्ष के बीच नेतृत्व तथा संगठन कौशल की झलक दिखानी शुरू कर दी। आगे चलकर वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और फिर भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाई। राजनीति में उनकी उभरती हुई छवि अनुशासन, परिश्रम और जमीनी स्तर के अनुभव पर आधारित थी। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके नेतृत्व ने epaper.patrika.com@gmail.com एक नए प्र epaper.patrika.com@gmail.comepaper.patrika.com@gmail.com कार की विकासशील राजनीति को मंच दिया। उनके कार्यकाल में गुजरात ने आर्थिक गतिविधियों, आधारभूत ढाँचे और निवेश के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की, जिसने उन्हें विकास पुरुष की पहचान दिलाई। 2014 का आम चुनाव भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ साबित हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी जी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने। यह वह क्षण था जब जनता ने कांग्रेस-शासित लंबे दौर के बाद भाजपा को पूर्ण बहुमत दिया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने ÷सबका साथ, सबका विकास÷ का आह्वान कर जनता की आकांक्षाओं को नई ऊर्जा दी। उन्होंने शासन को तकनीक-आधारित और भविष्यगामी दृष्टिकोण से जोड़ा। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों ने नई पीढ़ी को स्वप्न और अवसर दोनों दिए। विदेश नीति के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री मोदी जी का दृष्टिकोण बेहद सक्रिय और निर्णायक रहा। उन्होंने भारत की छवि को वैश्विक मंच पर अधिक प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया। पड़ोसी देशों से संबंधों में सुधार लाने का प्रयास किया, पश्चिमी दुनिया और एशियाई देशों के साथ नए गठबंधन बनाए तथा संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति मजबूत की।

वैज्ञानिक की खोज का अनुमान है कि सबसे लंबे समय तक मनुष्य रह सकते हैं, और रहस्य आहार,व्यायाम या ध्यान नहीं है

विजय गर्ग ,मलोट,पंजाब

मनुष्य कब तक रह सकता है? हर पीढ़ी ने एक ही सवाल पूछा है मानव सबसे लंबे समय तक क्या रह सकता है? कुछ लोगों का मानना था कि इसका जवाब आनुवंशिकी में छिपा है, अन्य सख्त आहार या ध्यान प्रथाओं में हैं। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने आखिरकार शरीर के आंतरिक कामकाज पर गहरी नज़र डाली है। पहनने योग्य उपकरणों से हजारों रक्त परीक्षण और गतिविधि पैटर्न का विश्लेषण करके, शोधकर्ताओं ने एक आश्चर्यजनक सुराग की खोज की होगी। खोज केवल बीमारियों या स्वस्थ आदतों के बारे में बात नहीं करती है, यह कुछ और मौलिक की ओर इशारा करती है।

जीवन प्रत्याशा बनाम जीवनकाल : जीवन प्रत्याशा, औसत वर्ष लोग रहते हैं, बेहतर दवा, पोषण और स्वच्छता के लिए दुनिया भर में लगातार बढ़ रहा है। लेकिन जीवन काल, अधिकतम वर्ष एक मानव शरीर जीवित रह सकता है, लगता है कि एक प्राकृतिक छत है। अग्रिमों के बावजूद, कोई भी हमेशा के लिए नहीं रहता है, और लगभग कोई भी एक निश्चित सीमा से आगे नहीं बढ़ता है। यह नया शोध बताता है कि जीव विज्ञान स्वयं इस ऊपरी सीमा को निर्धारित करता है। आनुवंशिक सीमा, सेलुलर उम्र बढ़ने और आणविक क्षति जैसे कारक यह परिभाषित करते हैं कि मानव शरीर अंततः कब तक कार्य कर सकता है

डायनेमिक ऑर्गेनिज्म स्टेट इंडिकेटरके साथ कोड को क्रैक करना : उम्र बढ़ने को समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने डायनेमिक ऑर्गेनिज्म स्टेट इंडिकेटर नामक एक उपकरण बनाया। यह मापता है कि रक्त परीक्षण डेटा और आंदोलन पैटर्न का उपयोग करके शरीर तनाव का जवाब कैसे देता है। जन्मदिन की गिनती के विपरीत, डायनेमिक ऑर्गेनिज्म स्टेट इंडिकेटरबताता है कि कितनी जल्दी एक शरीर रोजमर्रा के पहनने और आंसू से उबर सकता है । समय के साथ, डायनेमिक ऑर्गेनिज्म स्टेट इंडिकेटरएक स्पष्ट प्रवृत्ति दिखाता है- रिकवरी लोगों की उम्र के रूप में धीमी हो जाती है, जो एक अंतिम सीमा की ओर इशारा करती है। यह खोज स्वास्थ्य में गिरावट की भविष्यवाणी करने में मदद कर सकती है, एंटी-एजिंग उपचारों का मार्गदर्शन कर सकती है, और यह बता सकती है कि विश्व स्तर पर दीर्घायु और मानव जैविक लचीलापन को कैसे समझा जाता है।

रहस्य लचीलापन में निहित है : लचीलापन जीवन की छिपी मुद्रा है। यह शरीर की तनाव को ठीक करने, ठीक करने और अनुकूलित करने की शक्ति है। युवाओं में, यह वसूली त्वरित और कुशल है, और आप तेजी से वापस उछाल देते हैं। उम्र के साथ, लचीलापन कमजोर हो जाता है, एक लुप्त होती वसंत की तरह अपनी उछाल खो देता है। अध्ययन के अनुसार, टिपिंग बिंदु तब आता है जब लचीलापन पूरी तरह से खो जाता है। उस स्तर पर, एक विशिष्ट बीमारी के बिना भी जीवित रहना असंभव हो जाता है। स्वस्थ आदतों, सामाजिक कनेक्शन और मानसिक कल्याण के माध्यम से लचीलापन बनाए रखना महत्वपूर्ण हो जाता है। यह केवल लंबे समय तक जीने के बारे में नहीं है, बल्कि जीवन, स्वतंत्रता और जीवन शक्ति की गुणवत्ता को संरक्षित करने के बारे में है जो उन अतिरिक्त वर्षों को वास्तव में सार्थक बनाते हैं अधिकांश अधिकतम तक क्यों नहीं पहुंचते हालांकि शोध का अनुमान है कि मनुष्य 120-150 साल तक जीवित रह सकता है, लेकिन बहुत कम लोग करीब आते हैं।

क्या भारत पाकिस्तान क्रिकेट मैच बेवकूफी थी

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

कुछ दिन पहले भारत तथा पाकिस्तान के बीच दुबई में क्रिकेट मैच हुआ! इस मैच को शुरू होने से बहुत दिन पहले ही देश के लोगों ने सरकार के द्वारा भारतीय खिलाड़ियों के मैच खेलने की बात के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी थी। लेकिन इसके बावजूद भी भारत सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। शायद यह सारा कुछ 10000 या 20000 करोड रुपए के कारोबार को लेकर सरकार की मजबूरी हो गया क्योंकि सरकार को विज्ञापन, टिकटों आदि के कारण काफी आमदनी प्राप्त होने की उम्मीद थी। शायद इसलिए इस मैच को खेलने की अनुमति दे दी गई। हम भूल गए कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने कुछ दिन पहले पहलगाम में धर्म पूछ कर 26 मासूम लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। इसके विरोध में देश के लोगों का खून उबाल खाने लगा था। प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि इस प्रकार का जघन्य अपराध करने वाले क्रूर कसाइयों को तथा उनके संरक्षकों को जहां भी होंगे मिट्टी में मिला दिया जाएगा, छोड़ा नहीं जाएगा। उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ जिसके तहत भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान में जाकर न केवल आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला करके न केवल लगभग 100 आतंकवादियों को उनके छुपने की जगह नष्ट करके उन्हें मौत के घाट उतार दिया बल्कि पाकिस्तान के 6 या 7 ऐयरबेस भी नष्ट कर दिए। प्रति उत्तर में पाकिस्तान ने भी भारत के इलाकों में ड्रोन हमले किए, सीमावर्ती इलाकों में गोलीबारी करके नुकसान किया और हवाई हमले भी किये जिन्हें हमारे वीर सैनिकों ने नाकाम कर दिया। भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानियों को धूल चटा दी। इसके बाद पाकिस्तान के उच्च सैनिक अधिकारियों द्वारा प्रार्थना करने पर युद्ध विराम हो गया। भारत सरकार ने युद्ध विराम तो स्वीकार कर लिया लेकिन पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर इस प्रकार की हरकत दोबारा हुई तो अभी तो हम ऑपरेशन सिंदूर निलंबित कर रहे हैं लेकिन यह हमला दोबारा भी हो सकता है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष में जिन परिवारों के 26 लोग मारे गए थे उनको देश के लोग सांत्वना के अलावा कुछ नहीं दे सके। आज तक देश के लोगों ने पहलगाम की त्रासदी को दिल से नहीं भुलाया। इस बीच सरकार ने पाकिस्तान के साथ व्यापार, वीजा तथा सिंधु जल संधि सब स्थगित कर दिए हैं। मैच से पहले प्रधानमंत्री कहा करते थे खून और खेल साथ साथ नहीं चल सकते। फिर पता नहीं ऐसी क्या बात हुई? कि सरकार ने दुबई में भारत-पाकिस्तान के बीच टेस्ट श्रृंखला में अपने देश के खिलाड़ियों को पाकिस्तान के साथ मैच खेलने की अनुमति दे दी। मैच हुआ। लेकिन मैच से पहले जब टॉस किया गया तो दोनों टीमों के कप्तानों ने आपस में हाथ नहीं मिलाऐ। मैच खत्म होने के बाद भी भारत के खिलाड़ियों ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ हाथ नहीं मिलाऐ जिसे पाकिस्तानियों ने अपना अपमान समझा। पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने इस मैच के रेफरी के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया जिसे ठुकरा दिया गया। इस मैच में हमारे खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को इस तरह से धूल चटा दी जिस तरह हमारे सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के सैनिकों को धूल चटाई थी। हमारे खिलाड़ियों ने इस जीत को भारतीय सेना तथा 26 शहीदों के परिवार जनों को समर्पित किया। बेशक हम यह मैच जीत गए। लेकिन इसके बावजूद यह हमारी नैतिक हार है। यह भारतीय सैनिक तथा 26 शहीदों के परिवारों की कोमल भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। भावनाओं पर क्रिकेट मैच हावी हो गया। दूसरे शब्दों में पैसा भावनाओ पर हावी हो गया। कुछ लोगों का यह मानना है कि दोनों देशों के बीच इस प्रकार की कटुता को हमेशा के लिए रहने नहीं दिया जा सकता। किसी न किसी प्रकार से सुधार के लिए कुछ तो करना ही पड़ता है। बेशक इस मैच को खेलना इस दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता लेकिन नीति निर्धारकों का कहना है कि जब चीन ने 1962 में भारत पर हमला किया और हमारी बहुत सारी जमीन पर कब्जा कर लिया और मोदी के शासनकाल में भी चीनी सैनिकों ने सीमा पार करके गलवान घाटी में हमारे बीस सैनिकों को शहीद कर दिया था, लद्दाख के कुछ हिस्से पर भी कब्जा कर रखा है, भारत के विवादित इलाकों को अपने देश के नक्शे में नाम बदलकर दिखला रहा है अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बता रहा है, भारत-पाकिस्तान संघर्ष में चीन ने पाकिस्तान की सैनिक सहायता भी की। परंतु जब अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया तो भारत के प्रधानमंत्री इन सब बातों के बावजूद भी शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने के लिए चीन के राष्ट्रपति, जिनपिंग के निमंत्रण पर वहां चले गए और वहां पर रूस के राष्ट्रपति, पुतिन और चीन के राष्ट्रपति,जिनपिंग के साथ हंसते हुए फोटो खिंचवाऐ, वह भी तो चीन के साथ समान सुधारने को लेकर था और राष्ट्रपति ट्रंप को जवाब देने का एक तरीका भी था। इसी तरह सब बातों के बावजूद अगर भारत पाकिस्तान के बीच में दुबई में क्रिकेट मैच हुआ तो वह भी दोनों देशों में समान सुधारने में सहायता कर सकता है

C M Y K

20 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/20/2025 1:24 AM Page 3

मेडिकल कॉलेज की तृतीय व चतुर्थ श्रेणी भर्ती प्रक्रिया निरस्त,युवाओं में नाराजगी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के हजारों बेरोजगार युवाओं को उस वक्त गहरा झटका लगा, जब राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव मेडिकल कॉलेज, अंबिकापुर में वर्षों से लंबित तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की भर्ती प्रक्रिया को आधिकारिक रूप से निरस्त कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज के डीन ने 18 सितंबर 2025 को इस संबंध में आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि अब सभी रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया छत्तीसगढ़ व्यापम (व्यावसायिक परीक्षा मंडल) के माध्यम से की जाएगी। यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2022 में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई थी, जिसके अंतर्गत कॉलेज में स्टेनोग्राफर, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, वार्ड बॉय, आया, स्वीपर समेत अन्य तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन मंगाए गए थे। उस समय सरगुजा सहित पूरे संभाग से हजारों की संख्या में बेरोजगार युवाओं ने इन पदों के लिए आवेदन किया था। सामान्य और ओबीसी वर्ग के लिए 300 एवं अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लिए 200 प्रति आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया था।

अधिकांश आवेदकों ने दो से तीन पदों के लिए आवेदन किया था, जिससे मेडिकल कॉलेज को करीब डेढ़ से दो करोड़ रुपये तक की फीस प्राप्त हुई थी। हालांकि भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो सकी। प्रशासनिक कारणों और कुछ तकनीकी विवादों के चलते मामला लंबित होता चला गया। 2023 में प्रदेश में सत्ता परिवर्तन हुआ और भाजपा सरकार के गठन के बाद से इस प्रक्रिया पर पूरी तरह विराम लग गया। इसके बाद लंबे समय तक कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई, जिससे युवाओं में भ्रम और असंतोष की स्थिति बनी रही। आखिरकार, 23 अप्रैल 2025 को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित स्वशासी समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2022 की भर्ती प्रक्रिया को पूर्णतः निरस्त किया जाएगा। इस निर्णय पर अमल करते हुए मेडिकल कॉलेज डीन ने 18 सितंबर को आदेश जारी कर प्रक्रिया रद्द करने की पुष्टि की। आदेश में यह भी कहा गया है कि अब सभी तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर व्यापम के माध्यम से पारदर्शी व निष्पक्ष परीक्षा लेकर नियुक्तियां की जाएंगी। हालांकि, आवेदनकर्ताओं द्वारा जमा की गई फीस की वापसी को लेकर अब तक कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया है। युवाओं का कहना है कि बिना किसी गलती के उनकी तीन साल की मेहनत और इंतजार व्यर्थ चला गया है, और अब फीस वापसी को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।कई आवेदकों ने इस निर्णय पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि भर्ती रद्द करनी ही थी, तो यह पहले ही किया जाना चाहिए था। वर्तमान में बेरोजगारी की मार झेल रहे इन युवाओं ने शासन और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से मांग की है कि उन्हें आवेदन शुल्क लौटाया जाए या नए भर्ती प्रक्रिया में पूर्व आवेदन को मान्यता दी जाए।

अब सभी की निगाहें व्यापम द्वारा शुरू की जाने वाली नई भर्ती प्रक्रिया पर टिकी हैं। हालांकि प्रशासन पारदर्शिता की बात कर रहा है, लेकिन पूर्व प्रक्रिया में लगे हजारों युवाओं की नाराजगी और असमंजस को दूर करना भी सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी बनती है।

एसएसपी ने ली जनरल परेड की सलामी उत्कृष्ट टर्न आउट पर 31 पुलिसकर्मी सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

रक्षित केंद्र अम्बिकापुर में 19 सितंबर को आयोजित जनरल परेड की सलामी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा ली गई। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों के टर्न आउट का निरीक्षण किया और बेहतर वेशभूषा धारण करने वाले 31 पुलिसकर्मियों को ईनाम देकर प्रोत्साहित किया। परेड में अधिकारियों, कर्मचारियों की टोलियों ने भाग लिया, वहीं पुलिस बैंड की मधुर धुन ने आयोजन को गरिमा प्रदान की।

एसपी ने डॉग स्क्वॉड के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने वाहन शाखा का निरीक्षण कर सभी शासकीय वाहनों के रखरखाव पर जोर दिया। शस्त्रागार और स्टोर शाखा की जांच के दौरान एसपी ने आर्म्स-एम्युनेशन और रिकार्ड के व्यवस्थित संधारण के निर्देश दिए। साथ ही पुलिसकर्मियों को साइबर जागरूकता फैलाने हेतु सरगुजा पुलिस के फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पेज को फॉलो कर आम नागरिकों को जागरूक करने की अपील की।

उन्होंने यातायात पुलिस को चौक-चौराहों में अनुशासित रहकर नागरिकों को सड़क सुरक्षा का संदेश देने के निर्देश भी दिए।

आईजी ने ली रेलवे सुरक्षा समिति की रेंज स्तरीय बैठक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आईजी दीपक कुमार झा के नेतृत्व में 19 सितंबर को पुलिस को-ऑर्डिनेशन सेंटर (सरगुजा भवन) अंबिकापुर में रेलवे सुरक्षा समिति की रेंज स्तरीय त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया व मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों के पुलिस अधीक्षकों सहित रेलवे सुरक्षा बल जीआरपी, आरपीएफ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा, यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था, मादक पदार्थ तस्करी, सीसीटीवी निगरानी व अपराधियों की पहचान जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। आईजी ने आरपीएफ अधिकारियों से स्टेशनों में लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरों की प्रगति की समीक्षा करते हुए एफआरएस तकनीक से अपराधियों की पहचान और डेटा अपलोडिंग को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी अब ट्रेनों के माध्यम से बैग व सूटकेस में की जा रही है, जिस पर रोक लगाने के लिए जीआरपी व आरपीएफ और स्थानीय पुलिस को संयुक्त रूप से कार्रवाई करनी होगी। रेलवे स्टेशनों पर नशा करने वालों, चोरी करने वालों, ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों और यात्रियों को परेशान करने वाले ट्रांसजेंडर समूहों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। आईजी ने निर्देशित किया कि स्टेशनों पर असामाजिक तत्वों के जमावड़े पर रोक लगाने के लिए प्रो-एक्टिव गश्त बढ़ाई जाए और संयुक्त टीमें कॉम्बिंग गश्त करें। इसके साथ ही अवैध कबाड़ व्यापार के खिलाफ समन्वित कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल, सूरजपुर एसएसपी प्रशांत ठाकुर, कोरिया एसपी रवि कुर्रे, एमसीबीएसपी चंद्र मोहन सिंह, आरपीएफ निरीक्षक सुनिता मिंज, निरीक्षक भरत चौधरी सहित विशेष शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

विश्व ओज़ोन दिवस 2025 पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

609 छात्र-छात्राओं एवं 51 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

विश्व ओज़ोन दिवस 2025 के अवसर पर अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से शासकीय हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल, ग्राम चकेरी, बासन, परसा, तारा एवं अदाणी विद्या मंदिर, साल्ही में ओज़ोन दिवस की थीम विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई पर निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ओज़ोन परत के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के संदेश को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। यह सक्रियता कार्यक्रम पीईकेबी व पीसीबी खदान के आसपास के गाँवों में आयोजित किए गए, ताकि स्थानीय समुदाय और छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस कार्यक्रम में कुल 609 छात्र-छात्राओं एवं 51 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। हाई स्कूल चकेरी में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर राहुल सिंह (कक्षा 9), द्वितीय स्थान पर जगन्नाथ सिंह (कक्षा 10) और तृतीय स्थान पर अनुज सिंह (कक्षा 10) रहे। मिडिल स्कूल चकेरी की चित्रकला प्रतियोगिता में विवेक (कक्षा 8) ने प्रथम, संगीता (कक्षा 8) ने द्वितीय और रिय (कक्षा 6) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सरकारी मिडिल स्कूल बसन में प्रधानाध्यापक श्री भारत सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में भगवती (कक्षा 7) ने प्रथम, साक्षी (कक्षा 6) ने द्वितीय और मोनू विश्वकर्मा (कक्षा 8) ने तृतीय स्थान हासिल किया। अदाणी विद्या मंदिर साल्ही में प्रधानाध्यापक श्री आशीष कुमार पांडे के नेतृत्व में आयोजित ओज़ोन दिवस चित्रकला प्रतियोगिता में कल्पना (कक्षा 7) प्रथम, भूमि भारती (कक्षा 8) और रागिनी (कक्षा 8) संयुक्त रूप से द्वितीय तथा निशु (कक्षा 6) तृतीय स्थान पर रहीं। हाई स्कूल तारा में प्रधानाध्यापिका श्रीमती भानुप्रभा के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में गीता (कक्षा 11) ने प्रथम, सतपाल (कक्षा 11) ने द्वितीय और दीपक कुमार (कक्षा 11) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान श्री खीरवर प्रसाद सिंह (प्रधानाध्यापक, हाई स्कूल, चकेरी) एवं श्री शोभित दास (प्रधानाध्यापक, मिडिल स्कूल, चकेरी) भी उपस्थित रहे। यह आयोजन अदाणी फाउंडेशन की पर्यावरण संरक्षण, ओज़ोन परत के बचाव और समुदाय के साथ साझेदारी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. डीके सोनी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ग्लोबल आइकन लीडर अवार्ड 2025 से सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग सहित समूचे छत्तीसगढ़ में जनहित, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय के लिए सतत संघर्षरत अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. डी.के. सोनी को कोलकाता में आयोजित एक भव्य समारोह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ग्लोबल आइकन लीडर अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स संस्था द्वारा 14 सितंबर 2025 को कोलकाता के रवींद्र मंच भवन, ठाकुरबाड़ी में आयोजित बंग गौरव सम्मान समारोह के दौरान प्रदान किया गया।सम्मान समारोह में देशभर से सामाजिक, कानूनी और खेल जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियों को आमंत्रित किया गया था। डॉ. डी.के. सोनी को यह सम्मान बेस्ट बंगाल के पूर्व राज्यपाल व इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस श्यामल कुमार सेन तथा पद्मश्री पूर्णा दास बॉल सम्राट के करकमलों से प्रदान किया गया। डॉ. डी.के. सोनी पिछले कई वर्षों से सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से न्याय व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और शीघ्र न्यायोचित बनाने के लिए प्रयासरत हैं। वे उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक आम लोगों के हित में जनहित याचिकाओं और आरटीआई के माध्यम से आवाज उठाते आ रहे हैं। सरकारी विभागों में हो रहे भ्रष्टाचार,लापरवाही और अनियमितताओं को उजागर कर दस्तावेजों के आधार पर प्रभावशाली कार्रवाई कराना उनकी पहचान बन चुकी है। उनकी कानूनी लड़ाइयों के चलते कई भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज कराई गई हैं। आम लोगों के हक और सामाजिक न्याय के लिए किए जा रहे इन प्रयासों ने उन्हें जनमानस में विशेष पहचान दिलाई है। सम्मान मिलने के बाद डॉ. सोनी ने कहा, यह अवॉर्ड मेरे लिए सिर्फ एक सम्मान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। यह मुझे और अधिक ऊर्जा से सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मैं आगे भी समाज और जनहित के मुद्दों पर तेज गति से कार्य करता रहूंगा।

लुंड्रा ब्लॉक के ग्राम उदारी व जमड़ी में आजीविका सेवा केंद्र का शुभारंभ

कृषि,पशुपालन एवं मत्स्य पालन से संबंधित आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर होंगी उपलब्ध

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत जिले के लुंड्रा ब्लॉक में इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर परियोजना के तहत ग्राम उदारी और जमड़ी में आजीविका सेवा केंद्र का आज शुभारंभ किया गया। इस परियोजना में कुल 12 ग्राम शामिल हैं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, सरपंच , उपसरपंच एवं बड़ी संख्या स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थीं। उन्होंने सामुहिक रुप से फीता काटकर आजीविका सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। साथ ही स्व सहायता समूह की दीदियों को पशु सखी किट प्रदान एवं मत्स्य बीज का वितरण किया गया। इस आजीविका सेवा केंद्र के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से संबंधित सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। इन केंद्रों पर सब्जी बीज, पशुओं के लिए टीकाकरण, मत्स्य पालन हेतु चारा, बीज व अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस सेवा केंद्र का उद्देश्य ग्रामीणों की आय वृद्धि एवं आजीविका संवर्धन करना है। इस दौरान कलेक्टर श्री भोसकर ने कहा कि आजीविका सेवा केंद्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि प्रणाली से जुड़े इन सेवा केंद्रों के माध्यम से किसानों और पशुपालकों को वैज्ञानिक तकनीक, प्रशिक्षण और संसाधन मिलने से उत्पादन बढ़ेगा और आमदनी में सुधार होगा। जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े ये केंद्र आत्मनिर्भर गांव बनाने की दिशा में सार्थक कदम हैं। इससे न केवल किसानों को लाभ होगा बल्कि स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को भी आर्थिक मजबूती मिलेगी। इस दौरान लूण्ड्रा जनपद पंचायत सीईओ सुश्री प्रीति भगत, डीपीएम श्री राहुल मिश्रा, NRLM BPM ऋतुराज गुप्ता,उदारी और जमड़ी के सरपंच, एंकर ज्योति तिवारी सहित 4 ब्लाक के ढ्रस्प्ट एंकर, तकनीकी सहयोग एजेंसी प्रदान के जिला प्ररिनिधि विकास टण्डन उपस्थित रहे स्व-सहायता समूह की दीदियां, किसान और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बतौली में खेल-कूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं आयोजित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मानव जीवन ज्योति दृष्टि बाधित विशेष विद्यालय बतौली में ''सेवा पखवाड़ा'' 2025 अन्तर्गत शुक्रवार को खेल-कूद प्रतियोगिता एवं विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत बतौली की उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू गुप्ता,कुनकुरी कला सरपंच श्रीमती दीपेश्वरी पैकरा, स्थानीय जनप्रतिधि उपस्थित रहे। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री व्ही.के. उके द्वारा दिव्यांग स्कूलों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिव्यांग बच्चों के अधिकार,सुरक्षा एवं संरक्षण पर विधिक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा पाठ्य पुस्तक ब्रेललिपि के माध्यम से पढ़कर सुनाया गया। बच्चों द्वारा सामूहिक नृत्य एवं गायन की प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा बच्चों को उनके बेहतर पढ़ाई एवं भविष्य में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी गई तथा उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के स्टॉफ तथा समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

अंबिकापुर जनपद सीईओ के विरोध में बिफरे कर्मचारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत अम्बिकापुर में कार्यरत सचिव, सरपंच, रोजगार सहायक एवं उप अभियंता संघों ने प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरएस सेंगर को तत्काल हटाने की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा लगातार पद का दुरुपयोग कर कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार और अनुचित कार्रवाई की जा रही है। ज्ञापन में बताया गया है कि प्रभारी सीईओ द्वारा कई सचिवों को बिना उचित कारण के निलंबित कर दिया गया है। निलंबन का कारण निर्माण कार्य में लापरवाही बताया गया, जबकि तकनीकी स्वीकृति और अभिमत देना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है।

कर्मचारियों का कहना है कि जनपद सीईओ मनमानी करते हुए अधिकारियों को प्रताड़ित करते हैं और अवैध वसूली का प्रयास करते हैं। संगठनों ने आरोप लगाया है कि सेंगर की कार्यशैली तानाशाहीपूर्ण है और जनपद के कर्मचारी भय और तनाव में कार्य कर रहे हैं। सभी संबंधित संगठनों ने एकमत होकर इस संबंध में मांग की है कि जनपद सीईओ को तत्काल हटाया जाए तथा निलंबित सचिवों को सेवा में पुनः बहाल किया जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि 22 सितंबर तक मांगें नहीं मानी जातीं,तो सभी संगठन काम बंद-कलम बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इससे पंचायत स्तर पर विकास कार्य ठप होने की आशंका है। प्रशासन से कर्मचारियों ने मांग की है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र निर्णय लिया जाए, जिससे जनहित में चल रहे कार्यों पर असर न पड़े।

16.5 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र के भाथुपारा में शुक्रवार को आबकारी उडनदस्ता टीम ने छापेमारी कर 16.5 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी घर में शराब तैयार कर बिक्री करने के लिए रखा था। आबकारी उडनदस्ता टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना मणिपुर अंतर्गत भाथुपारा निवासी मंटु सिंह अपने घर में भारी मात्रा में महुआ शराब बना कर बिक्री कर रहा है। सूचना पर आबकारी उडनदस्ता टीम ने मंटु सिंह के घर दबिश दी। घर की तलाशी लेने पर गैस चूल्हा पर महुआ शराब दो चढ़ी भट्टीयों में बनता पाया गया तथा 6 प्लास्टिक के डब्बे में लगभग 200 किलोग्राम महुआ लहान बरामद किया गया। छापेमारी के दौरान टीम ने आरोपी के घर से 16.5 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। इसके अलावा गैस चूल्हा, सिलेंडर, एवं शराब बनाने के बर्तन को जब्त किया है। टीम ने आरोपी मंटु सिंह को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई के दौरान आरक्षक कुमारु राम, रमेश दुबे, अशोक सोनी एवं नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता एवं महिला सैनिक राजकुमारी एवं अंजू एक्का की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

20 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/20/2025 1:24 AM Page 4

पीडीएस दुकान से राशन चोरी करने वाले गिरोह व चोरी का राशन खरीददार का सूरजपुर पुलिस ने किया पर्दाफाश,7 आरोपी गिरफ्तार

2 लाख रूपये कीमत का राशन बरामद,परिवहन व रेकी में प्रयुक्त 3 पिकअप व 2 मोटर सायकल भी जप्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

विगत दिनांक 08.08.2025 के दरम्यानी रात थाना जयनगर क्षेत्रांतर्गत ग्राम अजबनगर के पीडीएस दुकान में अज्ञात चोरों द्वारा चावल, शक्कर व चना की चोरी किया गया था इसी प्रकार दिनांक 28.08.2025 के दरम्यानी रात ग्राम गंगापुर पीडीएस दुकान तथा दिनांक 13.09.2025 के दरम्यानी रात ग्राम अनुजनगर के पीडीएस राशन दुकान से चावल की चोरी होने पर पीडीएस दुकान के संचालकों की रिपोर्ट पर चौकी लटोरी में अपराध क्रंमाक 220/2025 व अपराध क्र. 228/2025 व थाना जयनगर में अपराध क्रमांक 213/2025 धारा 331(4),305(ई),112, 317(2),3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। इसी प्रकार जिला सूरजपुर के समीप जिला सरगुजा में भी पीडीएस दुकान में लगातार हो रहे चोरी के घटनाओ के मददेनजर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा एवं डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के द्वारा लगातार पीडीएस दुकान में हो रहे चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की धरपकड़ हेतु चौकी लटोरी व थाना जयनगर का संयुक्त पुलिस टीम गठित कर लगाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैकरा के मार्गदर्शन में टीम के द्वारा लगातार विवेचना कर मुखबीर लगाया गया तथा व्हाटसअप ग्रुप के माध्यम से चौकी-थाना क्षेत्र के बीट में घटना के बारे में जानकारी साझा किया गया। इसी दौरान मुखबीर से प्राप्त सूचना व पूर्व अपराधिक कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध में कई चौकी थाना से अपराधिक रिकार्ड प्राप्त किया गया जिसके आधार पर सर्वप्रथम शातिर चोर इन्द्रपाल साहू पिता जीवनलाल साहू निवासी जटगा को कटघोरा में घेराबंदी कर पकड़ा

गया। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि अपने अन्य साथी 1. साहिल अफसर पिता मोहम्मद सकिल अहमद उम्र 24 वर्ष निवासी मुडापार एसईसीएल कालोनी सुभाष ब्लाक कोरबा थाना मानिकपुर जिला कोरबा 2. रफीक खान पिता सफीक खान उम्र 31 वर्ष निवासी सिरमिना बाबुपारा (ढोढीपारा) थाना पसान जिला कोरबा 3. सोनू सिंह पिता दया राम जाति कंवर उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम मोहनपुर आंछीदादर थाना कटघोरा जिला कोरबा 04. शिवम राजपुत पिता श्री राजू परमार उम्र 23 वर्ष निवासी गुरसिया बाजारपारा थाना बांगो जिला कोरबा 5. कृष्णा ढीमर आ. महेन्द्र ढीमर उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम दरैन, खरिहा टोला, थाना सिधी जिला शहडोल मध्यप्रदेश के साथ चौकी लटोरी के गंगापुर, अनुजनगर, थाना जयनगर के अजबनगर के अलावा अपने साथियों के साथ मिलकर पूर्व मे तारा कांटारोली, उदयपुर के आसपास मुड़गांव, रिखी, लखनपुर के आसपास केवरी, अंधला, तराजू तथा अम्बिकापुर के आसपास कोलडीहा, दरिमा के खाला तथा एमसीबी जिला के बचरापोडी, मुंगेली थाना क्षेत्र व पेण्ड्रा मरवाही जिला के बस्तीबगरा में राशन दुकान सोसायटी में चावल, चना शक्कर भी चोरी करना एवं लटोरी व जयनगर के पीडीएस दुकान से चोरी किये गये चावल, शक्कर, चना को अंकुर अनाज भण्डार कटघोरा के संचालक पवन अग्रवाल पिता श्री किरोणीमल अग्रवाल उम्र 55 वर्ष निवासी कटघोरा मेन मार्केट थाना कटघोरा जिला कोरबा को विक्रय करना बताये है। जो विवेचना दौरान पीडीएस राशन क्रेता के विरूद्ध धारा 317(2) भा.न्या.सं. की धारा जोड़ी गई। मामले में कुल 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनके निशानदेही पर 100 बोरी चावल, 11 बोरी शक्कर, 1 बोरी चना कीमती करीब 2 लाख रूपये, घटना में प्रयुक्त 3 पिकअप व 2 मोटर सायकल जप्त किया गया है। अनाज भण्डार के संचालक पवन अग्रवाल के द्वारा चोरी की चावल, चना व शक्कर क्रय करने के उपरान्त कुछ सामग्री को फुटकर में बिक्री कर दिया जिसकी रकम 1 लाख रूपये नगद बरामद किया गया है। दर्ज प्रकरणों में अन्य आरोपियो की भी संलिप्तता होने की संभावना है जिसके संबंध में आगे विवेचना जारी है। आरोपियो से अभी तक के पूछताछ पर संगठित होकर गिरोह बनाकर सूरजपुर जिला के अलावा जिला सरगुजा, कोरबा, एमसीबी, मुगेली, कोरिया, पेण्ड्रा के पीडीएस भवन में कुल 11 स्थानों में चोरी करने की जानकारी प्रकाश में आई है। आरोपी इन्द्रपाल साहू एवं रफीक खान पूर्व में जिला सूरजपुर एवं जिला कोरबा में डकैती, चोरी जैसे मामलो में जेल जा चुके है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर रूपेश कुंतल एक्का, चौकी प्रभारी लटोरी अरूण गुप्ता, चौकी प्रभारी तारा संजय गोस्वामी, प्रधान आरक्षक रविशंकर किण्डो, रामनिवास तिवारी, संजय राजपुत, आरक्षक विकास मिश्रा, शोभनाथ कुशवाहा, अम्बिका मरावी, सुनील एक्का, देवकीनंदन खुटिया, संतोष जायसवाल सक्रिय रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में 16 वर्षीय नाबालिग का शव नदी किनारे मिला,गांव में फैली सनसनी

-संवाददाता-
बलरामपुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई,जहां 16 वर्षीय नाबालिग लड़की का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नदी किनारे बरामद हुआ. ग्राम पंचायत तालकेश्वरपुर टुकुपाथर निवासी परमेश्वरी मरकाम पिता लालबिहारी मरकाम की मौत ने पूरे गांव को सकते में डाल दिया है. परिजनों के लिए यह घटना किसी बड़े सदमे से कम नहीं है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात लगभग 9 बजे परमेश्वरी ने परिवार के साथ खाना खाया और हमेशा की तरह सोने चली गई।

देर रात तक सबकुछ सामान्य था लेकिन सुबह जब परिवार के लोग उठे तो देखा कि परमेश्वरी अपने बिस्तर पर नहीं है। परिजनों ने पहले घर और आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद ग्रामीणों की मदद ली गई। काफी तलाश के बाद उसका शव घर से करीब 500 मीटर दूर पांगन नदी किनारे पड़ा मिला। नाबालिग के शव की बरामदगी से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, ग्रामीण भी घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर रात में परमेश्वरी घर से बाहर कैसे निकली? क्या किसी ने उसे बुलाया था और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई इन सवालों ने इस घटना को और भी रहस्यमय बना दिया है। सूचना मिलते ही डिंडो पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

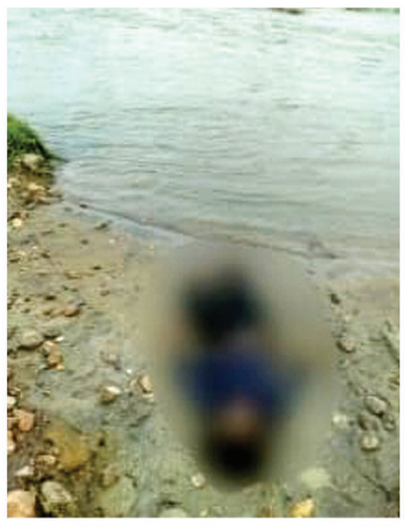

अधिकारियों ने बताया कि मौत का कारण स्पष्ट होने के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। साथ ही मामले की गहन जांच की जा रही है। गांव के लोगों ने प्रशासन से मामले की सच्चाई सामने लाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं,पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ भी शुरू कर दी है। यह घटना न केवल मृतका के परिवार बल्कि पूरे गांव के लिए रहस्य और चिंता का विषय बनी हुई है। अब सभी की निगाहें पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं,जो इस रहस्यमय मौत की असल वजह का खुलासा करेगी।

सरस्वती महाविद्यालय में तेरापंथ युवक परिषद,अणुव्रत समिति और सरस्वती महाविद्यालय मे संयुक्त तत्वावधान मे रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमति प्रतिमा त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मामोल कोचेटा दीदी युवक परिषद के पूर्व अध्यक्ष पवन कोठारी अणुव्रत समिति के मंत्री महेन्द्र बोथरा उपस्थित रहे। जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक अंबिकापुर से डॉ. अमित राज, श्रीमती सुमन यादव जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक टेक्नीशियन उपस्थित रहे।सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुरुआत मां सरस्वती के छाया प्रति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री

ऋषि सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके पश्चात श्रीमती सुमन यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में नया रक्त बनने की प्रक्रिया तेज़ होती है, जिससे रक्त शुद्ध और ताज़ा रहता है। खून में आयरन का स्तर संतुलित रहता है, जिससे हृदय रोग और लिवर संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है। डॉ.अमित राज ने वक्तव्य में कहा कि कुछ रिसर्च में पाया गया है कि रक्तदान से हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज़ का जोखिम घट सकता है। हर बार रक्तदान से लगभग 600-650 कैलोरी खर्च होती है। रक्तदान से पहले ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, हार्टबीट, संक्रमण आदि की जांच होती है, जिससे व्यक्ति को अपनी सेहत की जानकारी मिलती है। किसी की जान बचाने का सुख और आत्मसंतोष बहुत सकारात्मक ऊर्जा देता है।

जिससे छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया। जिससे महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा 25 यूनिट रक्तदान कराया गया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन महाविद्यालय रेड क्रॉस प्रभारी श्री अभिनेष चौधरी के नेतृत्व में हुआ। रिसोर्स पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक श्री धर्मेंद्र श्रीवास्तव श्रीमती ममता यादव श्रीमती अनुभा सिंह, एवं समस्त सहायक प्राध्यापक हर्षित जैन,यश जैन,सौरभ जैन,सूरज जैन उपस्थित रहें।

सेवा पखवाड़ा :"पीपल फार पीपल्" अभियान के अंतर्गत पीपल का पौधा किया रोपित

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के नगर पंचायत लखनपुर स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी ली व फलों का वितरण किया।

इस दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ कर श्री अग्रवाल ने स्वयं का रक्तचाप जाँच करवाया और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने ग्राम पंचायत हर्राटिकरा, सांडबार में ''पीपल फार पीपल्''

अभियान के अंतर्गत पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन को पूरी तरह जनसेवा और राष्ट्र निर्माण को समर्पित किया है। उनका संदेश 'सेवा ही संकल्प' हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। सेवा पखवाड़ा न केवल जरूरतमंदों की मदद का अवसर है,बल्कि यह समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और सकारात्मक परिवर्तन लाने का उत्सव है।

हम सभी को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना है और इसे जनभागीदारी का आंदोलन बनाना है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस पर उनके दीर्घायु होने की कामना की। कार्यक्रम में लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज,युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर बड़ी संख्या में आमजन एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए तथा सभी ने प्रधानमंत्री जी के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

इसकॉन वृंदावन के द्वारा आध्यात्मिक संगोष्ठी का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सेवा किटी समूह द्वारा बालक सम्प्रेक्षनगृह एवं विषेस बालक गृह में आद्यात्मिक संगोष्टी का आयोजन किया गया, वृंदावन इसकॉन एव मायापुर कोलकाता से आये महाप्रभु के द्वारा, अपचारी बच्चो को नैतिक शिक्षा दी, और सभी बच्चो को स्टाफ को भगवत गीता भेंट की गई ,और नियमित भगवतगीता के वाचन से जीवन मे परिवर्तन और जीवन जीने का मार्गदर्शन मिलता है,सेवा समूह की वन्दना दत्ता,नीलिमा गौयल,स्मिता तिवारी शिवेस सिह उपस्थिति थे,अधीक्षिका सुश्री मधुमती सिह, एवं स्टाफ,शमा नूरी,नीतू कुशवाहा,देवेंद्र देशमुख,मनीष कुशवाहा,वीरेन्द्र तिर्की,शगुप्ता परवीन,सोमेश्वर सिह,अजित श्रीवास्तव, एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे, उन्होंने आभार व्यक्त करते हुवे कहा कि समय समय पर इस तरह की आद्यतमिक संगोष्ठी से बच्चो को निश्चित जीवन मे परिवर्तन आएगा, इसकॉन द्वारा सभी को भगवतगीता दी गई इसके लिए बहुत धन्यवाद दिया।

संत समाज द्वारा बैठक का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

खूंटा भगत संत समाज द्वारा अंबिकापुर के शंकरघाट स्थित आश्रम में बैठक का आयोजन किया गया,जिसमें समिति के सदस्य,कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माँ मातेश्वरी दुर्गा रूपी का पूजा अर्चना हर्षोल्लास से अश्विन शुक्ल पक्ष के सप्तमी एवं अष्टमी पर्व,दिनांक 29 एवं 30 सितंबर को खूंटा भगत आश्रम,बांक नदी तट, अंबिकापुर में मनाया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष मनोज कुमार, उपाध्यक्ष बंशीधर,कोषाध्यक्ष जगजीवन सिंह,उप सचिव जगेश्वर सिंह, रीझन,जग्गू राम श्याम,इन्दर भगत,नोहर दास,मुन्ना सिंह,ईश्वर प्रसाद सिंह, सुनील एक्का, प्रकाश सिंह श्याम,उजीत राम, मंगल राम मुंडा,गनपत पावले, राममति बाई,शर्मिला एक्का, लीलावती उपस्थित रहे।

मैनपाट के धर्मान्तरण मामले में श्रीमती आरती माझी को मिली जमानत

-संवाददाता-
मैनपाट,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मैनपाट के ग्राम पंचायत सरभंजा निवासी श्रीमती आरती माझी को पिछले रविवार को हिन्दू संघठन के धर्म रक्षा समिति के कुछ सदस्यों ने धर्मान्तरण मामले में स्नढ्ढक्र दर्ज करवा कर जेल भेजवा दिए थे। जेल के अंदर 5 दिन रहने के पश्चात शुक्रवार को व्यवहार न्यायलय सीतापुर से जमानत मिलने के बाद अंबिकापुर सेन्ट्रल जेल से देर शाम 7 बजे श्रीमती आरती माझी को रेहाई मिल गई ।

श्रीमती आरती माझी को जेल से रिसीव करते समय उनके परिवार की सदस्यों के साथ पास्टर श्री ओम प्रकाश बड़ा, पास्टर श्री दिलबर माझी, श्री पाईकश कुजूर जिला पंचायत सदस्य श्री निर्मल कुजूर, सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री जयमान एक्का, श्री विमल कुमार, श्री मनोरंजन एक्का, श्री देवलाल एक्का इत्यादि व्यक्ति उपस्थित थे।

बाइक सवार अनियंत्रित होकर नहर पुलिया के नीचे गिरा हुई मौत जांच में जुटी पुलिस

-संवाददाता-
लखनपुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कंचनपुर नहर पुलिया मोड़ के समीप में बाइक सवार आनियंत्रित होकर नहर पुलियाके नीचे जा गिरा गंभीर चोट लगने के कारण बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कृष्णा कुमार राजवाडे पिता राम प्रसाद उम्र 42 ग्राम कंचनपुर निवासी 19सितंबर दिन शुक्रवार की दोपहर

1.30 बजे झोरी तालाब से नहाकर अपने अपने मोटरसाइकिल क्रमांक बजाज XCD cg 15CC 2499 से घर जाने के दौरान कंचनपुर नहर पुलिया मोड़ के पास बाइक पर से नियंत्रण को दिया और बाइक सहित चालक नहर पुलिया के नीचे जा गिरा सर और शरीर में गंभीर चोट आई। डायल 112 के माध्यम से उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान मृत घोषित किया है। वहीं लखनपुर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर मर्ग कायम करते हुए मामले में जांच शुरू की है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत जिले में विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए रक्तदान शिविर

-संवाददाता-
अंबिकापुर,19 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंह देव शासकीय मेडिकल कॉलेज संबद्ध चिकित्सालय,ब्लड सेंटर अंबिकापुर एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी,जिला शाखा सरगुजा के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत बुधवार को विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर

आयोजित किए गए। शिविरों में कुल 122 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। शिविरों में जनप्रतिनिधियों, जिले के अधिकारी-कर्मचारियों सहित,आमजनों ने भी रक्तदान किया।

CMYK

20 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/20/2025 1:24 AM Page 5

स्वास्थ्य मंत्री ने चिरमिरी मंगल भवन से की
स्वास्थ्य सेवा पखवाड़े की शुरुआत

15 दिनों तक जिले के समस्त अस्पतालों में महिलाओं का निःशुल्क जांच और दवाइयां,गंभीर बीमारी के लक्षण पर सरकार कराएगी महिलाओं का इलाज

-रवि सिंह-
चिरमिरी,19 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी का जन्मोत्सव को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने मध्यप्रदेश की धरती धरा से प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी शुरुआत की। इस अवसर पर पूरे देश में स्वास्थ्य सेवा पखवाड़ा आज से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्म जयंती तक मनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वास्थ्य सेवा पखवाड़ा की शुरुआत पोड़ी स्थित मंगल भवन से की। सेवा ही संकल्प,राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा का 75 वे साल से ओतप्रोत,संपूर्ण देश में निःशुल्क महिलाओं की स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य सेवाएं आगामी 2 अक्टूबर तक दी जाएगी,छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य विभाग इसी संकल्प के को पूरा करने के लिए दिन रात एक किए हुए है,प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल इसकी शुरुआत अपने विधानसभा

से की। सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्मा और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र मे दीप प्रज्वलित कर मध्य प्रदेश के धरा से मोदी जी का लाइव कार्यक्रम देखा गया। इस अवसर पर सीएचएमओ डॉ अविनाश खरे ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं की स्वास्थ्य जांच आज से प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम चिकित्सालय में मौजूद रहेगी। उन्होंने कहा कि खासकर टीकाकरण,आयुष्मान कार्ड पंजीयन पर जोर दिया जा रहा ताकि किसी को भी गरीबी के कारण इलाज में दिक्कत ना हो, इसके साथ ही श्री खरे ने कहा कि जिले के तीन बड़े अस्पतालों में सोनोग्राफी और सिजेरियन तथा बल्ड स्टोरेज की सुविधा उपलब्ध है।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि -अभी कुछ दिन पहले बस्तर में 5 जिले के दौरे पर रहा, मैने पाया कि बस्तर की अधिकांश गर्भवती महिलाओं में खून की कमी है, इस वजह से बच्चे भी कुपोषित रहते है,पूछने पर कुछ महिलाओं ने बताया कि हमने तीन टेबलेट लिए है तो किसी ने 5 और किसी ने 8 टेबलेट की बात की जबकि 200 से 250 टेबलेट गर्भवती महिलाओं को दिया जाता है। हमने अपने 20 माह के कार्यकाल में इन सभी परिस्थितियों से लड़ते हुए बेहतर जांच और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में जुटे हुए है,लेकिन आप देखिए कि बस्तर के महिलाओं की दर्द को देश के प्रधानमंत्री भी समझ रहे है। उन्होंने अपने जन्मदिवस पर देश की महिलाओं से शत प्रतिशत स्वास्थ्य जांच कराए जाने की अपील की। श्री जायसवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को इस पखवाड़े में स्वास्थ्य सेवा के रूप में योगदान देने की शपथ भी दिलाई और कई लोगों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया। इस पूरे कार्यक्रम में मंच का संचालन रीत जैन ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामलखन सिंह,कीर्ति बासु,श्रीपत राय,दुर्गा सोनी,विजय सिंह,चंदन गुप्ता,रजनी तिवारी,गंगा सक्सेना,रानी गुप्ता,कोमल पटेल,अरविंद अग्रवाल,अंकित शर्मा पार्षद मनीष खटीक, बॉबी,पूजा,एम आई सी नरेंद्र साहू,बबलू डे,रामवतार शेर मोहम्मद,मनराज मौर्य,अब्दुल रशीद,शिव खटीक,रामप्रताप उपस्थित रहे।

किसको क्या हुआ वितरित

वय वंदन कार्ड और आयुष्मान कार्ड का वितरित - देवंती,साजरा खान,फूल कुंवर,प्रेमवती,सुगम देवी,लक्ष्मी, रामू गुप्ता,एम के मिश्रा,देवदास, राधिका सुभाष नायक,सुरेंद्र प्रसाद,शिवकुमारी हबीब कुरैशी,प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के तहत नि क्षय पोषण आहार के तहत लाभार्थी को उनका पोषण आहार किट वितरण-लक्ष्मी सिंह, श्यामवती,चाहत सिंह।

विभिन्न हितग्राहियों को चश्मा वितरण

सुभधिया, अफरोज, तुलसी, सावित्री ,लहसुनिया ,रुक्मणी पार्वती, संध्या देवी, अनूप प्रताप सिंह ,सुखमत, दशमत।

क्या था कार्यक्रम

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के राष्ट्रीय अभियान का प्रदेशव्यापी भव्य शुभारंभ कार्यक्रम नगर पालिका निगम चिरमिरी के मंगल भवन पोड़ी में आयोजित किया गया,जिसमें मध्य प्रदेश के धार जिले से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी वर्चुअल के माध्यम से लाइव जुड़े। इस दौरान उपस्थित जन समुदाय ने प्रधानमंत्री जी का लाइव प्रसारण वर्चुअल के माध्यम से सुना। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्याम बिहारी जयसवाल,कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका निगम चिरमिरी के महापौर श्् राम नरेश राय,कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री संतोष सिंह सभापति नगर पालिका निगम चिरमिरी एवं जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जिला एमसी श्रीमती चंपा देवी पावले विशेष रूप से उपस्थित रही।

वन में लकड़ी माफ़ियाओं का कब्ज़ा सीमा पर जंगल उजड़ रहे,विभाग चुप क्यों?

गुरु घासीदास नेशनल पार्क से फिर वायरल वीडियो:तस्करों का जंगल पर कब्ज़ाविभाग मौन

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की सीमा पर फैला गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, जिसे अब टाइगर रिज़र्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है, लगातार लकड़ी माफ़ियाओं की चपेट में है। सरकार जहाँ इस क्षेत्र को वन्यजीव संरक्षण का बड़ा केंद्र बनाने का दावा कर रही है,वहीं ज़मीनी हकीकत यह है कि तस्कर दिनदहाड़े जंगल का सीना छलनी कर रहे हैं और विभाग के कर्मचारी मूकदर्शक बने हुए हैं।

तस्करी का गढ़ बने सीमावर्ती गांव

सीमा क्षेत्र के गाँव चोगा,महुली,कछवारी,रामगढ़,उमझर, रसौकी,खोहीर,बैजनपाठ,लूल्ह,कोल्हुआ,शाहिद और आसपास के दर्जनों गाँव लकड़ी तस्करी के अड्डे बन गए हैं। यहाँ से रोजाना मोटरसाइकिल,साइकिल और यहाँ तक कि कंधों पर लकड़ी ढोकर जंगल से बाहर निकाली जाती है और सीमावर्ती मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले तक पहुँचाई जाती है।

सोशल मीडिया ने खोली पोल

पिछले कुछ दिनों से वायरल हो रहे वीडियो ने विभाग की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। वीडियो में तस्कर मेन रोड कोल्हुआ से होते हुए कोल्हुआ मकरादुवारी बैरियर को आसानी से पार करते नज़र आ रहे हैं। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि बैरियर पर चेकिंग रहती है, फिर इतनी बड़ी तस्करी कैसे निकल रही है? क्या इसमें विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत नहीं है?

तस्करी के तय रास्ते

जंगल से लकड़ी निकालने के लिए तस्कर रोजाना कई मुख्य और गुप्त रास्तों का उपयोग करते हैं जिसमे बोकराटोला मेन रोड,पठारी पगडंडी मार्ग,मकरादुवारी शिव मंदिर मार्ग,महुली-कोल्हुआ मेन रोड भाटपारा स्कूल मार्ग शामिल है इन मार्गों से लकड़ी की ढुलाई बिना किसी रोकटोक के होती रहती है।

विभाग की लापरवाही या मिलीभगत?

ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही ही नहीं,बल्कि कर्मचारियों की मिलीभगत भी इस अवैध कारोबार को पनपा रही है। यदि विभाग सख्त होता तो तस्करों की हिम्मत नहीं पड़ती कि बैरियर पार कर सकें,ऐसा कहना है स्थानीय लोगों का।

रेंजर की सफाई

इस संबंध में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रेंजर ललितसाय पैकरा ने स्वीकार किया कि वायरल वीडियो उनके पास भी पहुँचा है। उन्होंने कहा तस्करों की पहचान कर ली गई है और जल्द कार्रवाई की जाएगी। स्टाफ की भारी कमी के कारण निगरानी में कठिनाई होती है, लेकिन प्रयास जारी है।

पर्यावरण और वन्यजीव पर संकट

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लकड़ी तस्करी पर रोक नहीं लगाई गई तो जंगल के साथ-साथ वन्यजीवों का भी अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। खासकर जब यह इलाका टाइगर रिज़र्व बनने जा रहा है, तब इस तरह की गतिविधियाँ पूरे प्रोजेक्ट पर सवाल खड़े करती हैं।

टाइगर रिज़र्व बनने जा रहा गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान,फिर भी लकड़ी माफ़ियाओं की दबंगई सोशल मीडिया पर उजागर

कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,19 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एस.जयवर्धन ने आज संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में स्थित विभिन्न विभागीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर के प्रथम तल और भूतल में स्थित कार्यालयों का क्रमवार निरीक्षण किया। उन्होने एनआईसी कक्ष,खाद्य शाखा, जनसंपर्क, सांख्यिकी, सहायक आयुक्त कार्यालय, खनिज, महिला एवं बाल विकास विभाग,आबकारी,शिक्षा, निर्वाचन,पालना घर, समग्र शिक्षा, श्रम विभाग,नाजिर शाखा,जन शिकायत कक्ष,भू-अभिलेख शाखा का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने सभी कार्यालयों में निर्धारित समय पर पहुंचकर शासकीय दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश मौके पर मौजूदअधिकारी-कर्मचारियों को दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी कार्यालयों में स्थापना,बजट, वित्त व आवक जावक से संबंधित फाइलों का बेहतर संधारण करने की बात कही। इसके साथ ही कार्यालय में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था हेतु भी निर्देशित किया। कलेक्टर ने जिला रजिस्ट्रार कार्यालय (जन्म-मृत्यु) को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र रिकॉर्ड के उचित संधारण के निर्देश दिए। वहीं नकल प्रकोष्ठ शाखा में आवेदकों को निर्धारित समय सीमा पर नकल की प्रति उपलब्ध कराने के निर्देश दिये,इस दौरान संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में फर्जी स्कूलों का खेल,करोड़ों की सरकारी राशि पर डाका

-सवाददाता-
सूरजपुर,19 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

शहर कांग्रेस कमेटी सूरजपुर के अध्यक्ष संजय दोसी ने जिले में शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा (RTE कानून) के तहत हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का अधिकार दिया गया है, लेकिन सूरजपुर जिले में इस कानून का घोर दुरुपयोग हो रहा है।

कांग्रेस कमेटी द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जिले में करीब 35 स्कूल केवल कागजों पर संचालित हो रहे हैं। वहीं कई स्कूल ऐसे पाए गए हैं जहां केवल बोर्ड लगाकर एक ही कमरे में नाममात्र की पढ़ाई कराई जा रही है। निर्धारित मानकों का पालन न करते हुए भी इन स्कूलों को शासन से हर साल लाखों-करोड़ों की राशि मिल रही है। संजय दोसी ने कहा कि फर्जी नाम दर्ज कर विद्यार्थियों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई जा रही है और इसी बहाने शासन की राशि का गबन किया जा रहा है। यह शिक्षा के अधिकार कानून की खुली धज्जियां उड़ाने जैसा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जिले में संचालित सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों की कड़ाई से जांच की जाए तथा फर्जी स्कूलों और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के दौरान विमलेश तिवारी,शक्ति ठाकुर,कुंदन विश्वकर्मा,सहित अन्य उपस्थित थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः.202509021200075

विषय-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सन :- 2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00015 (हे.)]
पक्षकारों का विवरणः- आवेदक पक्षकार-अनिल गोस्वामी,
अनावेदक पक्षकार-कोई नही,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अनिल गोस्वामी आ0 स्व0 भोला गोस्वामी, निवासी केदारपुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदक की माता निर्मला गोस्वामी पति स्व0 भोला गोस्वामी के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं0.03 मोहल्ला केदारपुर स्थित नजूल भूमि भू0 ख0क्र0 1126/4. 1127/4 रकबा क्रमश- 0.001/2, 0.02 1/4 एकड़ भूमि स्थित है। आवेदक की माता अर्थात सह भूधारक निर्मला गोस्वामी की मृत्यु दिनांक 26.05.2021 को हो गई है। अतः सह फुलसुन्दरी की मृत्यु हो जाने के कारण उक्त वादभूमि पर से निर्मला गोस्वामी का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक द्वारा मृत्तक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अंतर्गत (छ0ग) भू राजस्व संहिता की धारा 109, 110 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अधवा संस्था को कोई लिखित दावा आपत्ति पेश करना है. तो दिनांक 26-09-2025 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथी के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।
01. न्यायालय के नोटिस बोर्ड पर प्रकाशनार्थ ।
2- आवेदकगण अनिल गोस्वामी आ0 भोला गोस्वामी, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 वे ईश्तहार का प्रकाशन समाचार पत्र में कराकर ईश्तहार की प्रति पेशी तिथी 26-09-2025 को पेश करें

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/09/2025 को जारी किया जाता है।

सील

नजूल अधिकारी
अंबिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र... /ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पवित्रो मलिक आ0 अभयचरण मलिक निवासी शांतिपारा सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर स्थित पुर्नवास पटटे की भूमि खसरा नंबर 53/2 रकबा 0.400 हे0 भूमि में से रकबा 70 डिसमिल भूमि को अनावेदक दिलीप दुबे आ0 स्व0 कृष्णा दुबे निवासी गणेशपुर पो0 सिलफिली तहसील लटोरी जिला-सूरजपुर छ0ग0 के पास बिक्री करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26/09/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 7/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार लटोरी ,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र... ब-121 वर्ष
ग्राम-..... प0ह0न0....

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवप्रसाद आ0 रामसाय जाति चेरवा निवासी ग्राम गंगापुर प0ह0न0 ..... रा0नि0म0 ..... तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग्र0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री चाची- अमाटो बाइ का मृत्यु 02/07/2022 को ग्राम गंगापुर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत गंगापुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 3/10/2025 अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 18-9-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
तहसील - लटोरी
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

CMYK

20 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/20/2025 1:24 AM Page 6

महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य का जीपीएफ फंड भुगतान लिए वर्तमान व प्राचार्य हुए एकमत

चार सालों से कैशबुक का ऑडिट नहीं हुआ और बिना ऑडिट के कैसे सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य का जीपीएफ फंड होगा रिलीज?

सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य के सेवाकाल में वित्तीय अनियमितता की है शिकायत, क्या बिना जांच के जीपीएफ फंड का पैसा किया जाएगा बहाल?

क्या नियम विरुद्ध तरीके से निकलेगा जानकारी छुपा के जीपीएफ फंड का पैसा?

-रवि सिंह-
कोरिया,19 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता के भ्रष्टाचार की शिकायत जब सामने आई और जब शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार तक की गई और जब वहां से जांच के लिए निर्देश प्राप्त हुआ जिसके आधार पर कलेक्टर कोरिया ने आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को पत्र लिखा तब सेवानिवृत्त प्राचार्य हरकत में आए और उन्होंने अपने जीपीएफ फंड के जल्द भुगतान के लिए पुराने सानिध्य का फायदा उठाने का निर्णय लिया और वर्तमान प्रभारी प्राचार्य जो उनके कार्यालय में उनके अधीनस्थ थे से उन्होंने सांठगांठ कर ली और अब वह अपने जीपीएफ फंड के भुगतान के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं जिसमें वर्तमान प्रभारी प्राचार्य का उन्हें सहयोग मिल रहा है,सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता वर्तमान प्रभारी प्राचार्य को विश्वास में ले चुके हैं और जिसके बाद अब तथ्य छिपाते हुए जीपीएफ फंड के भुगतान की प्रक्रिया चालू कर दी गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता वर्तमान प्रभारी प्राचार्य को पूरी तरह विश्वास में ले चुके हैं और जिसके बाद उनके जीपीएफ फंड के भुगतान की प्रकिया आरंभ करने के लिए वर्तमान प्रभारी प्राचार्य तैयार हो गए हैं। वैसे सूत्रों के द्वारा दी गई जानकारी यदि सही है तो क्या जांच जो सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य के विरुद्ध तय हो चुकी है क्या उसकी जानकारी छिपाते हुए वर्तमान प्रभारी प्राचार्य सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य के जीपीएफ फंड के भुगतान को हरि झंडी दे रहे हैं। नियमानुसार किसी शासकीय सेवक के विरुद्ध यदि जांच की प्रकिया जारी है खासकर आर्थिक अनियमिताओं के संबंध में जांच यदि होनी है उसके सेवानिवृत्ति संबधी स्वत्व भुगतान तब तक नहीं किया जाना है जबतक जांच पूरी न हो जाए। अखिलेश चंद्र गुप्ता जिन्होंने दो दशकों से ज्यादा समय के अपने कार्यकाल में जमकर भ्रष्टाचार किया जमकर अपनी जेब महाविद्यालय उपयोग की राशि से भरने का काम किया वहीं केवल एक नहीं इस बीच जिले में खुलने वाले प्रत्येक नवीन महाविद्यालय का भी प्रभारी प्राचार्य बनकर इन्होंने भ्रष्टाचार किया के खिलाफ तब पहली बार शिकायत सामने आई जब इन्होंने सेवानिवृत्त होने के छः माह बाद महाविद्यालय पहुंचकर ढेर सारे दस्तावेजों को आग के हवाले कर दिया था और जिसकी तस्वीर भी सामने आई थी।

माना जाता है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के सम्पूर्ण उन दस्तावेजों को आग के हवाले किया जो उन्हें आर्थिक अनियमितता का दोषी साबित कर सकते थे। वैसे अखिलेश चंद्र गुप्ता के सम्पूर्ण कार्यकाल की जांच किए जाने पर बहुत बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा होना तय है और यह भ्रष्टाचार महाविद्यालय आवश्यकताओं सहित महाविद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राओं के लिए सुविधा मुहैया कराने के नाम पर किया गया है और कहीं न कहीं यह घोर आर्थिक अनियमितता है। अब वर्तमान प्रभारी प्राचार्य जैसा कि सूत्रों का दावा है यदि सच में सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता का सहयोग कर रहे हैं उनके जीपीएफ फंड के भुगतान का वह प्रयास आरंभ कर रहे हैं तो यह भी कहना गलत नहीं होगा यह सहयोग मिलीभगत से किया जा रहा सहयोग है जिसमें वर्षों का आपसी साथ कारण बन रहा है।

फाईल फोटो

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,बुधवार 06 अगस्त 2025 | 6
क्या सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य
एक कैलकुलेटर नहीं खरीद पाए जिस वजह से
कैश बुक का टोटल नहीं कर पाए?
6 साल तक महाविद्यालय के कैश बुक का नहीं हुआ ऑडिट और ना ही ऑडिट रिपोर्ट हुआ जमा
कैश बुक की कमियों की झलक

जांच के दौरान सेवानिवृत्त होने फलस्वरूप मिलने वाले भुगतान को रोकने का है प्रावधानःजानकार

शासकीय सेवा से सेवा निवृत्त होने के फलस्वरूप किसी शासकीय कर्मचारी को जो भी भुगतान किया जाना होता है वह तब रोके जाने का प्रावधान है जब किसी शासकीय सेवक पर गंभीर आर्थिक अनियमितता का आरोप है और जिसकी जांच चल रही हो,सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता को जीपीएफ फंड का भुगतान किया जाना है जो जांच के दायरे में होने के कारण उन्हें भुगतान नहीं किया जाना चाहिए,इस संबंध में कम से कम विभागीय अनुमति प्राप्त कर ही कोई अग्रिम कार्यवाही की जाए ऐसा होना चाहिए ऐसा जानकार बताते हैं,लेकिन अखिलेश चंद्र गुप्ता वर्तमान प्राचार्य से सांठगांठ कर अपने जीपीएफ फंड का भुगतान कराने की फिराक में हैं ऐसा सूत्रों का दावा है,अब वर्तमान प्राचार्य केवल पुराने संबंध निभाने ऐसा कर रहे हैं या किसी प्रलोभन में वह ऐसा कर रहे हैं।

कई वर्षों के आय व्यय रजिस्टर का नहीं हुआ है ऑडिट,जीपीएफ फंड का भुगतान करने क्यों है जल्दबाजी

अखिलेश चंद्र गुप्ता के कार्यकाल के आय व्यय का कई वर्षों तक ऑडिट नहीं हुआ है,यह सूचना के अधिकार से प्राप्त कैशबुक पंजी साबित करती है,अब जब आय व्यय का ऑडिट नहीं हुआ है वह भी वर्षों तक क्यों अखिलेश चंद्र गुप्ता के जीपीएफ फंड के भुगतान में जल्दबाजी दिखा रहे हैं वर्तमान प्रभारी प्राचार्य,अखिलेश चंद्र गुप्ता के कार्यकाल में आय व्यय पंजीयों का कोई मतलब नहीं हुआ करता था और वह केवल कहने मात्र के लिए आय व्यय पंजी हैं और जो भ्रष्टाचार का असल नमूना है।

सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रभारी प्राचार्यों के सेवानिवृत्त होने उपरांत होने वाले स्वत्व भुगतान के लिए क्या है उच्च शिक्षा विभाग का नियम

उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के द्वारा 27 फरवरी 2024 का वह आदेश निरस्त कर दिया गया है जिसमें सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रभारी प्राचार्य को सेवानिवृत्त होते ही सेवानिवृत्त समय के सभी सेवा स्वत्व भुगतान कर दिए जाने चाहिए,नए आदेश दिनांक 4 जुलाई 2025 के अनुसार अब पुनः सेवानिवृत्त होने वाले प्राचार्य और प्रभारी प्राचार्य को बिना ऑडिट किसी तरह का सेवानिवृत्त समय होने वाला भुगतान नहीं किया जाना है,अखिलेश चंद्र गुप्ता ने तो कई वर्षों का ऑडिट नहीं कराया है ऐसे में उन्हें जीपीएफ फंड का भुगतान किया जाना अपने ही विभाग के नियम को झुठलाना है। क्या वर्तमान प्राचार्य अपने ही विभाग से नियम से अनजान हैं इसलिए वह भुगतान के लिए प्रयास कर रहे है या उन्हें कोई लालच है?

जांच में दोषी साबित होने पर कहां से होगी वसूली यदि जीपीएफ फंड का हो जाता है भुगतान?

अखिलेश चंद्र गुप्ता के सम्पूर्ण कार्यकाल के दौरान के आय व्यय की अनियमितताओं को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार को शिकायत की गई है,जिसके बाद अब जांच आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को करने पत्र लिखा गया है,यदि जांच में वह दोषी पाए जाते हैं मामला आर्थिक अनियमितता का तय हो जाएगा,ऐसे में वसूली की बात सामने आएगी,अब सवाल यह है कि यदि वसूली की बात सामने आई वसूली कहां से होगी यदि उनके जीपीएफ फंड का भुगतान कर दिया जाएगा,वर्तमान प्राचार्य क्या खुद भरपाई करेंगे अखिलेश चंद्र गुप्ता के आर्थिक भ्रष्टाचार से हुए महाविद्यालय के नुकसान का?

क्या वर्तमान प्रभारी प्राचार्य खेलना चाहते हैं अखिलेश चंद्र गुप्ता की तरह की पारी इसलिए चल रहे हैं उनके निर्देश पर?

अखिलेश चंद्र गुप्ता के ऊपर विभागीय जांच की अनुशंसा के बावजूद वर्तमान प्रभारी प्राचार्य उनके जीपीएफ का भुगतान करने जा रहे हैं,वैसे क्या वह अखिलेश चंद्र गुप्ता की तरह लंबी पारी खेलना चाहते हैं इसलिए ही वह अखिलेश चंद्र गुप्ता के निर्देश पर ऐसा करने की हिम्मत मंशा करने जा रहे हैं,अखिलेश चंद्र गुप्ता भ्रष्टाचार के 26 साल बिना किसी रोक टोक बीता चुके हैं,अब क्या उनसे प्रेरणा लेकर वर्तमान प्रभारी प्राचार्य भी ऐसा ही करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े की शुरुआत

रक्तदान शिविर और विशाल स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

-संवाददाता-
चिरमिरी,19 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की शुरुआत आज चिरमिरी में हुई। 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस पखवाड़े का शुभारंभ जिला अस्पताल में ब्लड डोनेट और स्वास्थ्य शिविर से की गई। इसके बाद चिरमिरी के स्थानीय मंगल भवन पोड़ी में अनुभूति और प्रदर्शनी कार्यक्रम भी आयोजित रहा। इस अवसर पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में तथा भारतीय जनता पार्टी जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की जिलाध्यक्ष श्रीमती चंपा देवी पावले विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मोत्सव पर जिला अस्पताल चिरमिरी में रक्तदान शिविर एवं विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया। उन्होंने रक्तदान शिविर का अवलोकन कर रक्तदान कर रहे युवाओं को प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दोपहर 12 बजे तक 10 यूनिट रक्त एकत्र किया जा चुका था। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 200 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया है और रक्तदान का कार्य लगातार जारी है।

हेल्थ शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम

सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिवस से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती तक स्वास्थ्य सेवा एवं स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है। इसकी शुरुआत आज चिरमिरी से हुई है। इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में रायपुर से आई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गंभीर बीमारियों की जाँच और उपचार उपलब्ध करा रही है। इस स्वास्थ्य शिविर से जिलेभर के आम नागरिकों को लाभ मिलेगा।

कार्यकर्ताओं की उपस्थिति

इस अवसर पर नगर निगम चिरमिरी के महापौर राम नरेश राय, मंडल अध्यक्ष चिरमिरी पुरुषोत्तम सोनकर,सभापति संतोष सिंह,पूर्व सभापति,विधायक प्रतिनिधि राजू नायक,जिला महामंत्री भाजपा द्वारिका जायसवाल,भाजपा जिला,मंडल के पदाधिकारी,विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष-महामंत्री,शक्ति केंद्रों के प्रभारी-सहप्रभारी, बूथ अध्यक्ष एवं समितियाँ, जनप्रतिनिधिगण,महापौर, सभापति, पार्षद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

जनता को वास्तविक इतिहास से परिचित कराने 'द बंगाल फाइल्स' मूवी का निशुल्क प्रदर्शन

संघ प्रचार विभाग कोरिया एवं गंगा श्री सिनेप्लेक्स की अभिनव पहल

-संवाददाता-
कोरिया,19 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचार विभाग कोरिया एवं गंगा श्री सिनेप्लेक्स बैकुंठपुर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सायं 6 बजे से द बंगाल फाइल्स मूवी बैकुंठपुर के गंगा श्री सिनेप्लेक्स सिनेमाघर में निःशुल्क दिखाई गई। पूरा हाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवकों, राष्ट्रवादी विचारकों और युवाओं से भरा हुआ था। इस फिल्म में मुख्य रूप से इतिहास के उस काले अध्याय का दर्शन कराया गया है,जब देश के विभाजन को लेकर लॉर्ड माउंटबेटन, जवाहरलाल नेहरू और मुहम्मद अली जिन्ना के बीच देश के बंटवारे की बातें होती थीं। जहां अंग्रेज़,जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना मुसलमानों के लिए एक अलग देश बनाने की मांग करते हैं। यदि आप इतिहास के अंधेरे और दर्दनाक पहलुओं के साथ वर्तमान के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ को समझना चाहते हैं, तो 'द बंगाल फाइल्स' देखना जरूरी है। यह हमें आज के दौर के साथ-साथ 1946-47 के उस अशांत बंगाल में ले जाती है, जब कलकत्ता नरसंहार, डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखली दंगे जैसी भयानक घटनाएं घटी थीं। जिसमें हिंदुओं पर व्यवस्थित रूप से हमले किए,जिसमें हत्याएं, बलात्कार, जबरन धर्मांतरण,घरों की लूट और आगजनी शामिल थी। द बंगाल फाइल्स' आपको 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखली दंगों की वीभत्सता के सबसे काले पहलू से रूबरू कराती है।

द बंगाल फाइल्स की कहानी- फिल्म की कहानी दो समानांतर टाइमलाइन में आगे बढ़ती है। पहली टाइमलाइन आज के दौर की है, जहां सीबीआई अफसर शिवा पंडित (दर्शन कुमार) को बंगाल में एक दलित लड़की सीता की गुमशुदगी की जांच के लिए भेजा जाता है। अपनी तहकीकात के दौरान उसकी मुलाकात होती है मां भारती (पल्लवी जोशी) से, जो न सिर्फ अंग्रेजों के खिलाफ लड़ चुकी हैं, बल्कि 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे की प्रत्यक्षदर्शी भी रही हैं। दूसरी टाइमलाइन हमें 1946 के अशांत बंगाल में ले जाती है,जहां युवा भारती बनर्जी (सिमरत कौर रंधावा) अपने साथी अमरजीत अरोड़ा (एकलव्य सूद) संग नोआखाली दंगों और आतंकवादी सरवर हुसैनी (नमाशी चक्रवर्ती) की बर्बरता का सामना करती है। इस हिंसा में वह अपने जस्टिस पिता (प्रियांशु चटर्जी), अपनी मां और अपने प्रेमी अमरजीत, सबको खो देती है। अतीत की यह त्रासदी,मां भारती की यादों के जरिए शिवा को वर्तमान केस की परतें खोलने का रास्ता देती है। सभी सुराग आखिरकार जा टकराते हैं अल्पसंख्यक विधायक सरदार हुसैनी (सास्वता चटर्जी) से,जो आज के बंगाल की सत्ता,डर और दोहरे चेहरे का प्रतीक है।

C M Y K

20 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/20/2025 1:24 AM Page 7

असफलता इंसान को ज्यादा सिखाती है,इंडस्ट्री में सफलता के बाद कॉल का जल्दी जवाब मिलता है:ओम राउत

डायरेक्टर, प्रोड्यूसर ओम राउत ने अपने करियर की पहली और दूसरी फिल्म ही अवॉर्ड विनिंग बनाई थी। बड़े स्केल और बड़े स्टारकास्ट के साथ जब आदिपुरुष लेकर आए तो ये फिल्म ऑडियंस को पसंद नहीं आई। इस फिल्म और उनके स्टार्स को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। फिलहाल बतौर प्रोड्यूसर ओम की इंस्पेक्टर झेंडे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। मनोज बाजपेयी स्टारर इस फिल्म की तारीफ भी हो रही है। ओम ने बातचीत में अपनी पहली फिल्म लोकमान्य एक युगपुरुष, तानाजी और आदिपुरुष की असफलता पर बात की है।

आपको नहीं लगता कि इतिहास के गुमनाम हीरो पर फिल्म बनाना ज्यादा मुश्किल है? 'तानाजी' फिल्म देखकर लोगों को उनके बारे में पता चला

जब मैं अमेरिका में एमटीवी में काम कर रहा था, तब मैंने अमेरिकी फिल्ममेकर जैक स्नाइडर की फिल्म '300' देखी थी। मेरा एक दोस्त है वलारी। हम एक ही कॉलेज से और एमटीवी में भी साथ काम कर रहे थे। उसकी हेरिटेज ग्रीक है। वो मुझे बार-बार फिल्म '300' के बारे में बताता था। वो कहता था कि यार हमारे वॉरियर की फिल्म आ रही है। हमें इस फिल्म को देखना चाहिए। इस फिल्म के रिलीज से पहले मुझे वो स्पार्टन की कहानियां सुनता था। वो भी ओरेकल के आइडिया के बारे में बताता था। वो अपने कल्चर से बहुत ज्यादा प्रभावित था। फिल्म आई तो हम दोनों ऑफिस के बाद देखने पहुंचे। मैं उस फिल्म को देखकर पागल हो गया। मैंने उससे कहा कि भाई जैक स्नाइडर ने ये तो जबरदस्त फिल्म बनाई है। मैं और वो चलते-चलते स्टेशन की तरफ जा रहे थे। मैंने उससे कहा कि हमारे महाराष्ट्र में भी एक ऐसी स्टोरी है। उनका त्याग भी बहुत बड़ा है। मैं उनके ऊपर ऐसी ही एक फिल्म बनाना चाहूंगा, जिससे हमारी संस्कृति को मुकाम मिले। तानाजी के त्याग को पूरी दुनिया देखे। जब ये फिल्म रिलीज हुई और इसे लोगों ने खूब प्यारा दिया। फिल्म ने जब 100 करोड़ का आंकड़ा छुआ तो मुझे अजय देवगन सर का कॉल आया। उन्होंने मुझे बधाई दी। तभी मेरे मन में आया कि तानाजी अब गुमनाम नायक नहीं रहे।

आप अमेरिका में एमटीवी में यूथ बेस्ड शो कर रहे थे। लेकिन फिर ऐसे लीजेंड पर फिल्म बनाने का ख्याल कैसे आया?

मेरे पिता जी जर्नलिस्ट थे। लोकमान्य तिलक और उनकी सीख तो मेरे पास बचपन से ही थी। जब हम लोकमान्य तिलक की बात करते हैं, जब उनके बारे में सीखते हैं, तो उनका व्यक्तित्व इतना पावरफुल है कि आपको इम्पैक्ट करता है। आपका बचपन आपको एडल्टहुड में काफी सिखाता है। पापा के जरिए लोकमान्य तिलक जी का मेरे ऊपर बहुत ज्यादा प्रभाव रहा। कहीं ना कहीं हमारी जड़ें समान है। मैं मुंबई का लड़का हूं। यही मराठी घर में पला-बढ़ा हूं। घर में जो भी सीखा और देखा वो आखिरी तक रहेगा। आपके घर में बचपन में जो तालीम मिली है, वो हमेशा साथ रहेगा। यूथ बेस्ड शो से ऐतिहासिक फिल्में बनाने में मुझे नहीं लगता कि मेरे अंदर कुछ बदलाव आया है। हां,वापसी जरूरी हुई है।

इससे पहले आपने मराठी फिल्म लोकमान्य एक युगपुरुष बनाई थी। इसे बनाने में किस तरह का मुश्किलें आईं?

मैं आपको बताऊं, अभी हम जिस कमरे में बैठकर इंटरव्यू कर रहे हैं। इससे आधे कमरे में ये फिल्म शूट हुई है। उस वक्त मेरे पास न तो पैसे थे और न ही जगह। मेरे पास 340 स्क्वायर फीट का पुराना छोटा सा घर था, जिसे मैंने ऑफिस बना दिया। मैं अपने मम्मी-पापा के घर रहने चला गया। उसी पुराने में घर में प्रोडक्शन-डायरेक्शन मीटिंग, कास्टिंग होती थी। वहीं, पर ट्रायल और फिल्म को एडिट किया गया। एक बहुत ही छोटे से एरिया में बैठकर हम सबने वो फिल्म बनाई थी और अच्छी बन गई। मुश्किलें तो बहुत आईं क्योंकि सपना बड़ा था। इतने बड़े स्केल पर उस दौर को दिखाने के लिए हमारे पास पैसे नहीं थे। हमने जिस बजट में इस फिल्म को बनाया है, वो नंबर मैं बोल भी नहीं सकता क्योंकि वो बहुत छोटा नंबर है। ऐसी सिचुएशन में इस तरह की फिल्म बनाना चैलेंजिंग था। मेरा एक दोस्त है, जो बड़ी-बड़ी हिंदी फिल्में करता है। मैंने उसे स्क्रिप्ट सुनाई। उसने मुझसे कहा कि वो अपने प्रोडक्शन टीम को स्क्रिप्ट दे देता है ताकि वो बजट बनाकर दे देंगे। उसकी प्रोडक्शन टीम ने 75 करोड़ रुपए का बजट बनाकर दिया था। मैंने कहा इसका तो 10 फीसदी भी मेरे पास नहीं है। हमने 10 फीसदी से भी बहुत कम पैसे में इस फिल्म को बना दिया। चैलेंज हमेशा ही रहते हैं,चाहे वो छोटी बजट की फिल्म हो या बड़ी बजट की। मैं हमेशा कहता हूं कि अपनी हर फिल्म ऐसे बनाओ जैसे वो तुम्हारी आखिरी फिल्म हो। पता नहीं कि ऊपर वाला दूसरी फिल्म बनाने का मौका देगा या नहीं।

पहली फिल्म लोकमान्य एक युगपुरुष के लिए कोई ऐसी तारीफ जो अब तक आपको याद हो?

जब मैं लोकमान्य एक युगपुरुष फिल्म बना रहा था, तब मेरे बाल लंबे थे। गोटी स्टाइल में दाढ़ी रखता था, शॉर्ट्स पहनकर घूमता था। सबको लगता था कि एमटीवी वाला अमेरिकन लड़का है और शायद मैं था भी। जब मैं डॉक्टर दीपक तिलक के पास गया, जो कि लोकमान्य तिलक जी के वंशज हैं। उन्होंने कहा कि इसे हम फिल्म बनाने का परमिशन कैसे दें? मुझे ये बात बाद में बताई गई। दूसरी मीटिंग में जब मैंने उन्हें कहानी का नेरेशन दिया तो उन्हें सुनकर बहुत अच्छा लगा। रिलीज के वक्त उन्होंने मुझसे कहा कि तुम्हें देखकर लगा नहीं कि तुम ऐसी फिल्म बनाओगे। दूसरा रिस्पांस मुझे ऑडियंस का मिला। मैं ऑडियंस का रिएक्शन जानने के लिए सिनेमा हॉल में चला जाता हूं। इस फिल्म के रिलीज के बाद मैं और मेरा एक दोस्त मुंबई से पुणे गए थे। हम लोग पुणे में एक थिएटर के बाहर खड़े थे। शो शुरू होने वाला था और हम दोनों इंतजार कर रहे थे कि जब तिलक जी का इंट्रोडक्शन सीन आएगा तो अंदर जाकर ऑडियंस का रिएक्शन देखेंगे। हमने देखा कि वहां पर फिल्म का टिकट ब्लैक में बिक रहा था। ब्लैक टिकट बेचने वाला हमारे पास भी आया और एक दाम बताकर बोला कि इतने में ले लो। हमने मना कर दिया। जैसे ही फिल्म शुरू हुई, वो फिर से हमारे पास आया और बोला कि 150 में टिकट ले लो। हमने फिर से मना कर दिया तो उसने कहा कैसे यूथ हो? ऐसी फिल्म देखनी चाहिए। ये सुनकर मेरे और मेरा दोस्त के चेहरे पर स्माइल थी।

फिल्म तानाजी के लिए मिला कोई कॉम्पलीमेंट,जो आप बताना चाहेंगे?

दो-चार कॉम्लीमेंट है लेकिन मैं बता नहीं पाऊंगा। हालांकि, मेरे लिए सबसे बड़ी तारीफ वो है, जो अजय सर ने फिल्म देखकर दी थी। अजय सर ने फिल्म को ट्रायल में देखा था और कहा था कि तुम्हारी फिल्म तो हिट है। मेरे लिए सबसे बड़ी बात वही थी। उन्होंने मुझे मेरी पहली हिंदी फिल्म दी। उन्होंने न सिर्फ उसमें काम किया बल्कि उन्होंने फिल्म को प्रोड्यूस भी किया।

आपकी पहली और दूसरी फिल्म ने इतिहास रचा। तीसरी फिल्म 'आदिपुरुष' के जरिए आपने अपनी पूरी कोशिश की लेकिन वैसा रिस्पांस नहीं मिला। विफलता से कैसे डील करते हैं?

देखिए, सफलता और विफलता दोनों से परेशान नहीं होना चाहिए। अगर आप सक्सेस से बदल गए तो यानी आपका कोर खराब है। जैसा कि अजय सर कहते हैं सक्सेस से इंसान बदलता नहीं बल्कि उसकी सच्चाई बाहर आती है। वैसा ही असफलता से परेशान नहीं होना चाहिए। अगर सफलता आपको सिखाती है तो असफलता उससे कहीं ज्यादा सिखाती है। जब आप कुछ चीजें करते हो और वो सफल हो जाती है तो आप सीखते हैं। आपको लगता है कि आपने जो ट्राई किया वो काम कर गया। लेकिन असफलता से आप सीखते हैं कि क्या नहीं करना चाहिए। असफलता से आपको अपनी गलती को ठीक करने का मौका मिलना चाहिए। आपको अपनी गलतियों से सीखना चाहिए और उसे ठीक करके आगे बढ़ना चाहिए। अगर इंसान ऐसा करता है,तभी उसका मतलब है।

आर्यन ने पुराना दर्द,गुस्सा,जिद,सब शो में भर दिया : लक्ष्य लालवानी

करियर के शुरुआती दौर में ही दोस्ताना 2 और बेधड़क जैसी जोरशोर से लॉन्च हुई अपनी फिल्मों के डिब्बाबंद होने का गम झेलने वाले एक्टर लक्ष्य ने आखिरकार फिल्म किल से बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री मारी। वहीं, अब वह साल की सबसे चर्चित वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आएंगे। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की इस डेब्यू डायरेक्टोरियल सीरीज में वह असल जिंदगी की ही तरह एक आउटसाइडर से स्टार बनने वाले युवा एक्टर की भूमिका में हैं।

लगता था, मैं इंडस्ट्री के लिए फिट नहीं हूं...

आउटसाइडर होने का एक खामियाजा और एक ताकत पूछने पर लक्ष्य बताते हैं, खामियाजा यही था कि मुझे लगता था कि शायद यह दुनिया मेरे से काफी परे है। शायद मैं इसे समझ नहीं पाऊंगा। ये भाषा नहीं बोल पाऊंगा, तो खुद को इस दुनिया के हिसाब से बदलने की कोशिश कर रहा था, ताकि इसका हिस्सा बन सकूं। वो भाषा बोलकर, वो कपड़े पहनकर या उन जगहों पर जाकर, जो यहां का कल्चर है, मैं उसमें फिट होने की कोशिश कर रहा था।

यही तो मेरी पहचान है मैं उसे क्यों खो रहा हूं...

लक्ष्य ने कहा, मुझे बाद में अहसास हुआ कि नहीं यार, यही तो मेरी ताकत है कि मैं दिल्ली से हूं। 12वीं पास हूं। मेरे पापा एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं, मम्मी बुटीक चलाती हैं। यही तो मेरी पहचान है, मैं उसे क्यों खो रहा हूं? तो जब मैंने उसे अपनाया तो वही मेरी ताकत बन गया। अब मैं अब सेट हूं और अपने साथ खुश हूं।

एनर्जी से भर देती हैं शाहरुख सर की बातें : एक इवेंट पर शाहरुख खान लक्ष्य को हीरो वाली एंट्री करना सिखाते दिखे। लक्ष्य की जिंदगी पर शाहरुख खान का क्या असर रहा है? इस पर लक्ष्य ने बताया, जब मेरी फिल्म किल का शूट चल रहा था, तो हर दिन ऐक्शन, मारकाट करते-करते 40-50 दिन के बाद मेरा शरीर टूट गया था। हिम्मत नहीं होती थी। मन करता था कि आज बोल दूं कि बीमार हूं, उस वक्त मैं शाहरुख सर के भाषण और उनके टेड टॉक सुनता था। वो सुनकर एक अलग ही एनर्जी आ जाती है। एक आग सी जल जाती है तो जिस दिन ऐसा लगता है कि मन अटपटा है, कुछ अच्छा नहीं लग रहा है तो उनकी स्पीच सुन लेता हूं। शो में अपने किरदार की तैयारी के लिए भी शाहरुख सर के बहुत सारे इंटरव्यू देखे थे, ताकि उनमें जो चार्म और मचिस्मो है वो लेकर आ पाऊं।

जिद थी कि टिके रहना है...

अपनी शुरुआती दो बड़ी फिल्मों दोस्ताना 2 और बेधड़क के बंद हो जाने की निराशा को कैसे हैंडल किया? इस पर लक्ष्य ने कहा, एक जिद थी कि करना तो कुछ बड़ा ही था। पीछे जाने का कोई रास्ता ही नहीं था तो सोच यही थी कि टिके रहो, जो मेहनत कर रहे हो वो करते रहो, आज नहीं तो कल,कल नहीं तो परसों, एक दिन तुम्हारा वक्त आएगा ही, वो इंतजार की बात होती है। फिर, जितना समय लगता है ना चीजें होने में, वो आपको उतना ही लंबा चलने के लिए तैयार करती हैं। उसका फल उतना ही मीठा होता है।

बॉलीवुड में क्या होना चाहिए बदलाव?

बॉलीवुड में ऐसा क्या बदलाव किया जाए ताकि वह बैड्स के बजाय बेस्ट बन जाए? यह पूछने पर लक्ष्य का जवाब था, इंस्टाग्राम बंद कर दो, तो अपने आप अच्छी फिल्में बनने लगेंगी। अभी होता क्या है कि लोग दिख क्या रहा है, चल क्या रहा है, यह ज्यादा सोचते हैं। जबकि, इस दिख क्या रहा है की जगह अगर इस चीज पर फोकस किया जाए कि हम बना क्या रहे हैं, बनाना क्या चाहते हैं तो चीजें बहुत बदल जाएंगी।

एक जिद है कि अपने को साबित करना है...

जैसे,बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए हम सबने तीन साल इंतजार किया है। आर्यन (आर्यन खान) ने तो उससे भी ज्यादा इंतजार किया है। वह तो उससे पहले से लिख रहा है, तो यह शो हम सबकी सालों की मेहनत, जिद और गुस्से का नतीजा है। एक जिद है कि अपने को साबित करना है। हम सब वो गुस्सा और जिद पाल रहे थे। मेरा डायरेक्टर (आर्यन) अपना गुस्सा और जिद पाल रहा है। मैं कह सकता हूं कि पुराना जो सारा दुख और गुस्सा था, वो इस शो ने सब भर दिया।

तमिल एक्टर रोबो शंकर का निधन

एक दिन पहले शूटिंग के दौरान फिल्म सेट पर हुए थे बेहोश,कमल हासन ने जताया दुःख

तमिल फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने कॉमेडियन और एक्टर रोबो शंकर का निधन हो गया। वह 46 साल के थे। शंकर चेन्नई में एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे। लाइव मिंट जैसे संस्थानों की मीडिया रिपोर्ट्स पर लिखा गया कि उन्हें गुर्दे की समस्या थी। बुधवार को उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया। गुरुवार रात करीब 8:30 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। 17 सितंबर को शंकर के सेट पर बेहोश भी हो गए थे।

एक यूजर ने लिखा : रोबो शंकर सर के उस मशहूर सीन की अलग ही फैन फॉलोइंग है। बहुत जल्दी चले गए! शांति

दूसरे यूजर ने लिखा : रोबो न, आपको ऐसे नहीं जाना चाहिए था। आपको यहीं होना चाहिए था। कुछ खोने से सिर्फ दुख नहीं होता, गुस्सा भी आता है।

इंसान पर, वक्त पर और अलविदा के ख्याल पर भी। वहीं, एक्टर कमल हासन ने एक्स पर लिखा,-रोबो शंकर। रोबो तो बस एक उपनाम है। मेरी नजर में तुम इंसान हो। तुम मेरे छोटे भाई हो। क्या ऐसे ही मुझे छोड़कर चले जाओगे? तुम्हारा काम पूरा हो गया, तुम चले गए। मेरा काम अभी अधूरा है। तुम हमारे लिए कल चले गए। इसलिए, कल हमारा है।

रोबोट-स्टाइल डांस मूव्स से 'रोबो' नाम मिला

शंकर का जन्म मदुरै में हुआ था। उन्हें रोबो नाम उनके खास रोबोट-स्टाइल डांस मूव्स की वजह से मिला था। उन्होंने 2000 के दशक में छोटे रोल्स से करियर की शुरुआत की। बाद में स्टार विजय के शो कलक्का पोवथु यारु से उन्हें पहचान मिली। यहां उनकी कॉमेडी टाइमिंग और बॉडी लैंग्वेज काफी पसंद की गई। शंकर को फिल्मों में बड़ा मौका इधारकुठाने , आसाइपट्टई बालाकुमारा और वायै मूडी पेसावम से मिला। इसके बाद उन्होंने वेलैनु वंधुट्टा वेल्लईकरन, मारी, विश्वसम और कोबरा जैसी फिल्मों में काम किया। कुछ साल पहले, उन्हें लंबे समय तक पीलिया रहा था। इस दौरान उनका वजन भी कम हो गया था। हालांकि, इलाज के बाद उन्होंने फिल्मों में वापसी की थी। शंकर के परिवार में उनकी पत्नी और एक्ट्रेस प्रियंका शंकर हैं। उनकी बेटी इंद्रजा शंकर फिल्मों के साथ सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं।

खेल समाचार

महिला टीम:ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली वनडे सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत आज

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच आज तीसरा वनडे मुकाबला खेला जाना है, जिसमें टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली वनडे सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। बुधवार की शानदार जीत के बाद, भारत से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत की उम्मीदें बढ़ गई हैं। भारत ने न्यू चंडीगढ़ में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में 292 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से स्मृति मंधाना ने 91 गेंदों में 117 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से डार्सी ब्राउन ने सर्वाधिक 3 विकेट झटके। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 40.5 ओवरों में 190 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम की ओर से एनाबेल सदरलैंड ने 45, जबकि एलिस पेरी ने 44 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से क्रांति गौड़ ने 3 विकेट निकाले, जबकि दीप्ति शर्मा ने 2 विकेट अपने नाम किए। यह देखना होगा कि क्या सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड इस मैच के लिए उपलब्ध होंगी, जो क्वाड्रिसेप्स स्ट्रेन के कारण दूसरे मैच से बाहर थीं। टीम प्रबंधन मुकाबले से पहले उनके खेलने पर फैसला लेगा। इसके अलावा, किम गार्थ की प्लेइंग इलेवन में वापसी की संभावना है। भारतीय टीम को इस मुकाबले में स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल से बल्लेबाजी में उम्मीदें होंगी, जबकि स्नेह राणा और क्रांति गौड़ अपनी गेंदबाजी से मुकाबले का पासा पलट सकती हैं। एनाबेल सदरलैंड और फोएबे लिचफील्ड ऑस्ट्रेलियाई खेमे की बल्लेबाजी को मजबूती दे सकती हैं, जबकि गेंदबाजी में अलाना किंग और मेगन शट टीम की मजबूती बन सकती हैं। यह मुकाबला 20 सितंबर को दोपहर 1:30 बजे से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच का लाइव टेलीकास्ट स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर उपलब्ध होगा, जबकि जियो हॉटस्टार पर मुकाबले की लाइव स्ट्रीमिंग देखी जा सकती है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साल 1978 से अब तक कुल 58 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें सिर्फ 11 मुकाबले ही जीते। ऑस्ट्रेलियाई टीम 47 मैचों को अपने नाम कर चुकी है। दिल्ली में आज अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मुकाबले के दौरान बारिश की आशंका नहीं है।

भारत

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, राधा यादव, श्री चरणी, स्नेह राणा और तेजल हसबनीस।

ऑस्ट्रेलिया

एलिसा हीली (कप्तान/विकेटकीपर), डार्सी ब्राउन, ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), निकोल फाल्टम, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, चार्ली नॉट, फोएबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम।

चाइना मास्टर्स में पी.वी. सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारीं

एन से यंग ने सीधे गेमों में हराया,सिंधु अब तक उनसे नहीं जीत सकी हैं...

नई दिल्ली,19 सितम्बर 2025। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग के खिलाफ हार का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में सिंधु को कोरिया की इस खिलाड़ी ने सीधे गेमों में 21-14, 21-13 से हराया। यह मुकाबला मात्र 38 मिनट तक चला। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु का एन से यंग के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। 23 साल की कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाई हैं। एन से यंग पेरिस ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट हैं। पहले गेम में सिंधु की शुरुआत कमजोर : इस मैच में सिंधु की शुरुआत कमजोर रही। पहले 1-6 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की कोशिश की और स्कोर 5-9 तक पहुंचाया। हालांकि, एन से यंग ने बाद में 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधु ने फिर से वापसी की कोशिश की और स्कोर 11-14 तक पहुंचाया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी। आखिरकार, एन से यंग ने पहला गेम 21-14 से जीत लिया।

दूसरे गेम में सिंधु ने बढ़त बनाई, पर बाद में पिछड़ गईं : दूसरे गेम में सिंधु ने शुरुआत में 3-2 की बढ़त बनाई, बाद में एन ने वापसी की और स्कोर को 7-8 तक पहुंचाया और फिर उन्होंने बढ़त 11-7 कर लिया। बाद में एन ने इसे 14-7 कर लिया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। अंत में कोरियाई खिलाड़ी ने गेम को 21-13 से समाप्त कर जीत हासिल की। सिंधु हॉन्गकॉन्ग ओपन के पहले दौर में हार कर बाहर हो गई थीं।

20 SEPTEMBER 2025 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER_Layout 2 9/20/2025 1:24 AM Page 8

मुख्यमंत्री साय कैबिनेट के मंत्रियों के प्रभार में बड़ा बदलाव

खुशवंत साहेब को सक्ति,गजेंद्र यादव को राजनांदगांव,राजेश अग्रवाल को जीपीएम की जिम्मेदारी

रायपुर,19 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में बड़ा फेरबदल किया है। राज्य में आधा दर्जन से अधिक मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों का पुनर्वितरण किया गया है। इस बदलाव का कारण हाल ही में बने नए मंत्रियों को जिले का प्रभार सौंपना बताया जा रहा है। शासन द्वारा जारी आदेश में 6 मंत्रियों को नए जिले का प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को मिली नई जिम्मेदारी

नए आदेश के अनुसार उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा अब दुर्ग,बालोद,मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री होंगे। इसके पहले उनके पास सीमित प्रभार था, लेकिन अब उन्हें प्रदेश के औद्योगिक जिले दुर्ग और आदिवासी अंचल बस्तर जैसे महत्वपूर्ण जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसे सरकार की रणनीतिक नियुक्ति माना जा रहा है।

श्याम बिहारी जायसवाल को बलौदा बाजार-भाटापारा

कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को बलौदा बाजार-भाटापारा जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। यह जिला राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जाता है। यहां पर सामाजिक संतुलन और राजनीतिक समीकरण को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

फाइल फोटो

लक्ष्मी राजवाड़े को बलरामपुर-रामानुजगंज

नई नियुक्ति में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। यह जिला उत्तर छत्तीसगढ़ के सबसे संवेदनशील जिलों में गिना जाता है, जहां विकास कार्यों और प्रशासनिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

गजेंद्र यादव को राजनंदगांव

नव नियुक्त मंत्री गजेंद्र यादव को राजनंदगांव जिले का प्रभार सौंपा गया है। राजनंदगांव को राजनीतिक रूप से हमेशा से हॉट सीट माना जाता है। यहां की जिम्मेदारी गजेंद्र यादव को सौंपना उनके लिए राजनीतिक रूप से बड़ी चुनौती भी होगी और अवसर भी।

गुरु खुशवंत साहेब को सक्ति : इसी तरह नए मंत्री गुरु खुशवंत साहेब को सक्ति जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। सक्ति जिला अपेक्षाकृत नया जिला है, जहां विकास कार्यों को गति देने और सरकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में मंत्री की भूमिका अहम मानी जाएगी।

राजेश अग्रवाल को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही : इसके अलावा राजेश अग्रवाल को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले का प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है। यह जिला नक्सल प्रभावित और भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। यहां स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं के विकास की जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर है।

राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण फेरबदल : विशेषज्ञों का मानना है कि यह फेरबदल केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी का बदलाव नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक रणनीति भी है। आगामी निकाय और पंचायत चुनावों को देखते हुए सरकार ने मंत्रियों को ऐसे जिलों का प्रभार दिया है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस...चैतन्य बघेल की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई

हिरासत में लेने पर दी थी चुनौती,ईडी ने जवाब पेश किया,23 सितंबर को अगली सुनवाई

बिलासपुर,19 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चैतन्य बघेल के खिलाफ हाईकोर्ट में सुनवाई है। ईडी की ओर से अपना जवाब पूरा कर दिया गया है। अब अगली कार्यवाही में दोनों पक्ष लिखित तर्क पेश करेंगे। जस्टिस अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच में चल रही इस याचिका में चैतन्य बघेल ने ईडी की कार्रवाई को चुनौती दी है। ईडी ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हिरासत में लिया था। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 23 सितंबर तय की है।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले- ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। साथ ही 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

चैतन्य के प्रोजेक्ट में 13-15 करोड़ इन्वेस्ट

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि,चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे। प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया।

रायपुर रेंज के 800 पुलिसकर्मियों ने 381 जगह मारी रेड

नशे के खिलाफ 'ऑपरेशन निश्चय' 33 NDPS और 98 आबकारी मामले में एक्शन

रायपुर,19 सितम्बर 2025। रायपुर रेंज में आईजी अमरेश मिश्रा के निर्देश में ऑपरेशन निश्चय चलाया गया है। जो नशे और अपराध के खिलाफ है। रायपुर, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद और बलौदाबाजार-भाटापारा जैसे 5 जिलों की पुलिस ने करीब 381 जगह रेड की कार्रवाई की। इस दौरान अलग-अलग मामलों में करीब 90 लोगों का जांच किया गया है। पुलिस के मुताबिक, इस अभियान में करीब 800 पुलिसकर्मी लगे थे। पुलिस को आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में नशे का सामान भी मिला है। ऑपरेशन "NISCHAY" का फुल फॉर्म "N.I.S.C.H.A.Y-Narcotics, Investigation, Suppression, Control, Halt, Action for Youth & Society" मतलब नारकोटिक्स पर नियंत्रण, सघन जांच, दमनात्मक कार्रवाई, अपराधों पर पूर्ण नियंत्रण व रोकथाम, पुलिस की निर्णायक कार्रवाई, युवाओं और समाज को सुरक्षित भविष्य प्रदान करना रखा गया है।

सिविल जज की भर्ती में बार काउंसिल रजिस्ट्रेशन अनिवार्य,छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने याचिकाओं को किया खारिज

बिलासपुर,19 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सिविल जज भर्ती पात्रता को लेकर दाखिल सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने सिविल जज (जूनियर डिवीजन) भर्ती 2023-24 से जुड़ी पात्रता शर्तों को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को लेकर फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि भर्ती प्रक्रिया वही होगी जो विज्ञापन की तारीख पर लागू नियमावली के अनुसार है। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायमूर्ति बीडी गुरु की खंडपीठ ने सुनाया। दरअसल 23 दिसंबर 2024 को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने सिविल जज भर्ती विज्ञापन जारी किया था। इसमें स्पष्ट उल्लेख था कि उम्मीदवार के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री होना चाहिए। साथ ही, उसका राज्य बार काउंसिल में एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के तहत वकील के रूप में नामांकन अनिवार्य है। इसी शर्त को लेकर कई उम्मीदवारों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस मामले में प्रियंका ठाकुर, सुधांशु सैनिक और अन्य उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। उनका तर्क था कि यह शर्त संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन करती है। लोक अभियोजन अधिकारी भी अदालत में वकीलों की तरह ही काम करते हैं, लेकिन सरकारी नौकरी के कारण वे बार काउंसिल में नामांकन नहीं करा पाते। इसी तरह अन्य सरकारी सेवा में कार्यरत विधि स्नातक भी रजिस्ट्रेशन से वंचित रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट के दीपक अग्रवाल बनाम केशव कौशिक मामले में अभियोजन अधिकारियों को वकीलों के समकक्ष माना गया है। उन्होंने यह भी कहा कि 21 फरवरी 2025 को संशोधित विज्ञापन में सरकारी कर्मचारियों को आयु सीमा में छूट दी गई, लेकिन बार काउंसिल रजिस्ट्रेशन की शर्त बरकरार रखी गई। यह विरोधाभास पैदा करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नवभारत के निर्माण की आधारशिला : उच्च शिक्षा मंत्री वर्मा

रायपुर,19 सितम्बर 2025। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर एवं एनईपी इम्प्लीमेंटेशन सेल द्वारा किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के भविष्य की दिशा और दशा तय करने वाला एक क्रांतिकारी कदम बताया। यह नीति 21वीं सदी के नवभारत की आधारशिला मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित,सक्षम और श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिक्षा नीति के प्रथम चरण में हम प्रवेश कर चुके हैं और इसे सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। यह नीति केवल ज्ञान तक सीमित नहीं है,बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक, मानसिक, भावनात्मक और तकनीकी दृष्टि से भी सशक्त बनाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता,समानता, समावेशिता और सुलभता सुनिश्चित करना है। नीति के तहत पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन,विषयों के बीच समन्वय और शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। साथ ही उद्योग और शिक्षा की भागीदारी को प्रोत्साहित कर युवाओं को कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सरकार ने प्राध्यापकों की कमी दूर करने के लिए 700 पदों की स्वीकृति दी है।

लोक सेवा आयोग घोटाला...रिटायर्ड आईएएस पूर्व परीक्षा नियंत्रक समेत 5 गिरफ्तार

सीबीआई ने स्पेशल कोर्ट में किया पेश,आरती वासनिक पर प्रश्न पत्र लीक करने का आरोप

रायपुर,19 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने शुक्रवार को 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई के वकील ने 14 दिन की रिमांड के लिए अपील की है। मामले में सुनवाई अभी भी जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में पीएससी की पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक, पीएससी के पूर्व सचिव और रिटायर्ड आईएएस आईएएस जीवनलाल ध्रुव, उनके बेटे सुमित ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आदिल शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, इससे पहले भी सीबीआई ने आरती वासनिक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था, लेकिन उस समय उन्हें छोड़ दिया गया था। अब माना जा रहा है कि, सीबीआईको जांच में नए सबूत मिले हैं, जिसके आधार पर गिरफ्तारियां की गईं।

इससे पहले 7 आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार : इस घोटाले में अब तक कुल 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले 18 नवंबर को सीबीआई ने तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर एंड इस्पात के तत्कालीन निदेशक श्रवण कुमार गोयल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 10 जनवरी को 5 और आरोपियों को हिरासत में लिया गया। जिनमें नितेश सोनवानी (तत्कालीन अध्यक्ष का भतीजा, डिप्टी कलेक्टर चयनित), ललित गणवीर (तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक, सीजीपीएससी), शशांक गोयल, भूमिका कटियार (दोनों डिप्टी कलेक्टर चयनित) और साहिल सोनवानी (डीएसपी चयनित) शामिल हैं। ये सभी फिलहाल जेल में बंद हैं।

क्या है सीजीपीएससी घोटाला : यह मामला 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि आयोग की परीक्षाओं और इंटरव्यू में पारदर्शिता को दरकिनार कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख वाले परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित किया गया। इस दौरान योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी कर डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य राजपत्रित पदों पर अपने नजदीकी लोगों को पद दिलवाने का खेल हुआ। प्रदेश सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी। जांच एजेंसी ने छापेमारी में कई दस्तावेज और आपत्तिजनक साक्ष्य बरामद किए हैं।

एनएचएम कर्मचारियों द्वारा हड़ताल समाप्त करने का निर्णय स्वागतयोग्यः CM साय

इस निर्णय से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएँ और मज़बूत होंगी, जनता को उत्कृष्ट और सुलभ चिकित्सा सुविधाएँ मिलेंगी

रायपुर,19 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों द्वारा हड़ताल समाप्त किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे सराहनीय और राज्यहित में उठाया गया कदम बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार हर कर्मचारी को अपने परिवार का हिस्सा मानती है और उनकी जायज़ मांगों के प्रति सदैव संवेदनशील रही है। उन्होंने कहा कि जनता का स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार ने सदैव इस दिशा में ठोस पहल की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एनएचएम कर्मचारियों के इस निर्णय से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएँ और मज़बूत होंगी तथा जनता को उत्कृष्ट और सुलभ चिकित्सा सुविधाएँ मिलेंगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ एक और बेहतर, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा। उल्लेखनीय है कि एनएचएम कर्मचारी अपनी दस सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर गए थे। राज्य सरकार ने इनमें से चार मांगों को पूरा कर दिया है। तीन अन्य मांगों पर समिति गठित कर कार्यवाही प्रारंभ की गई है, जबकि संविलयन, पब्लिक हेल्थ केडर और आरक्षण संबंधी मांगों पर भारत सरकार से निर्णय लिया जाना है। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर हड़ताल समाप्त होने पर आभार व्यक्त किया।

पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास को स्पेशल कोर्ट में पेश कर ईओडब्ल्यू ने मांगा रिमांड

रायपुर,19 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने रिटायर्ड आईएएस और पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास को हिरासत में लेने के बाद आज विशेष कोर्ट में पेश किया. ईओडब्ल्यू पूर्ववर्ती सरकार में शराब सिंडिकेट का अहम हिस्सा रहे निरंजन दास का रिमांड मांग सकती है. बता दें कि आर्थिक अपराध शाखा ने पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास को बहुचर्चित शराब घोटाले में गुरुवार को हिरासत में लिया था. जांच एजेंसियों के अनुसार, निरंजन दास ने पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा (सिंडिकेट के कथित संरक्षक), अरुणपति त्रिपाठी (तत्कालीन विशेष सचिव आबकारी), अनवर ढेबर (व्यवसायी, रायपुर मेयर एजाज ढेबर के भाई), और अन्य के साथ मिलकर सिंडिकेट चलाया. इस सिंडिकेट ने आबकारी विभाग की मिलीभगत से राज्य को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया. इसमें सरकारी शराब दुकानों में कमीशन तय करना,डिस्टिलरियों से अतिरिक्त शराब बनवाना, विदेशी ब्रांड की अवैध सप्लाई पर वसूली, और डुप्लीकेट होलोग्राम (सुरक्षा फीचर) का इस्तेमाल कर अनियमित शराब बेचना शामिल था. जांच एजेंसियों ने अपनी चार्जशीट में पहले भी यह बताया है कि नोएडा की कंपनी प्रिज्म होलोग्राफी सिक्योरिटी फिल्म्स (विधु गुप्ता की) को टेंडर देने में निरंजन दास की भूमिका थी. यह कंपनी योग्य नहीं थी।

छत्तीसगढ़ में 100 करोड़ की जीएसटी चोरी

5 राज्यों में 170 से अधिक बोगस फर्म बनाकर किया फर्जीवाड़ा,मो. फरहान 'मास्टर माइंड'

रायपुर,19 सितम्बर 2025। राज्य जीएसटी विभाग ने एक बड़े कर चोरी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच में सामने आया कि 170 से अधिक बोगस फर्म बनाकर करोड़ों रुपए की जीएसटी चोरी की गई। इस मामले का मास्टर माइंड मोहम्मद फरहान सोरठिया निकला है, जो खुद को जीएसटी कर सलाहकार बताकर लंबे समय से इस धंधे को अंजाम दे रहा था। विभाग ने फरहान और उसके नेटवर्क से जुड़े कई दस्तावेज जब्त किए हैं। राज्य जीएसटी की बीआईयू टीम ने एक माह से इस मामले पर निगरानी रखी थी। फरहान के दफ्तर पर 12 सितंबर को छापा मारा गया। यहां से 172 फर्मों का पंजीयन और बोगस बिलिंग के दस्तावेज मिले। फरहान ने अपने पांच स्टाफ को फर्जी पंजीयन, ई-वे बिल और जीएसटी रिटर्न दाखिल करने का जिम्मा दे रखा था। जांच में यह भी पाया गया कि फर्मों के नाम पर किरायानामा, सहमति पत्र और एफिडेविट जैसे कागजात फर्जी तरीके से तैयार किए गए थे।

26 फर्मों से ही 822 करोड़ रुपए के ई-वे बिल जनरेट किए गए

आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ 26 फर्मों से ही 822 करोड़ रुपए के ई-वे बिल जनरेट किए गए, जबकि रिटर्न में महज 106 करोड़ का टर्नओवर दिखाया गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, केवल इन फर्मों से ही राज्य को 100 करोड़ रुपए से अधिक के जीएसटी का नुकसान हुआ है। दस्तावेजों से यह भी खुलासा हुआ कि फर्जी पंजीयन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पंजाब, असम, मणिपुर और ओडिशा तक किए गए थे। जांच एजेंसी को सूचना मिली थी कि फरहान ने कुछ अहम दस्तावेज अपने चाचा मोहम्मद अब्दुल लतीफ सोरठिया के घर छुपाए हैं।

ब्रोकर,स्क्रैप डीलर और कंपनियां जांच के दायरे में

राज्य जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस घोटाले में कई ब्रोकर, स्क्रैप डीलर और इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने वाली कंपनियां भी जांच के दायरे में हैं। विभाग फिलहाल बोगस लेन-देन और फर्जी बिलिंग से हुए जीएसटी फ्रॉड की पूरी गणना कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आगे की विधिक कार्रवाई तेजी से की जाएगी और इसमें शामिल सभी लोगों पर शिकंजा कसा जाएगा।

कोयले के व्यापार के नाम पर गुजरात के कारोबारी से 89 करोड़ की धोखाधड़ी

छत्तीसगढ़ के दो कोयला व्यवसायी गिरफ्तार

रायपुर/भिलाई,19 सितम्बर 2025 । भिलाई के दो कोयला व्यापारियों को गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके ऊपर गुजरात के गांधीधाम निवासी व्यवसायी से 89 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। आरोपियों को दुर्ग जिले के कुरूद से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यापारियों के नाम संजय अग्रवाल और सचिन अग्रवाल हैं। वहीं, उनके अन्य साथी संदीप अग्रवाल और राखी अग्रवाल अब भी फरार हैं। गांधीधाम निवासी व्यवसायी पवन मोर ने पुलिस को बताया कि भिलाई के नेहरू नगर के रहने वाले संजय, सचिन, संदीप और राखी अग्रवाल ने उन्हें कोक एक्सपोर्ट में निवेश करने का झांसा दिया। उन्होंने कहा कि निवेश से भारी मुनाफा मिलेगा। इसी बहाने उन्होंने पवन मोर से 89 करोड़ रुपए ले लिए, लेकिन जब निवेश से रिटर्न नहीं आया और रकम वापसी की मांग की गई,तो आरोपी टालमटोल करने लगे।

आखिरकार, 8 फरवरी 2025 को पवन मोर ने गुजरात के गांधीधाम बी डिवीजन पुलिस स्टेशन में सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद से सभी आरोपी फरार हो गए थे। गुजरात पुलिस लगातार इनकी तलाश में थी। 17 सितंबर 2025 को गुजरात पुलिस की टीम दुर्ग जिले के कुरूद पहुंची और यहां एक भाजपा नेता के रिश्तेदार के घर पर छापेमारी की। इस दौरान संजय और सचिन अग्रवाल छिपे हुए मिले, जिन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)